सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

खुशियों का कोई रास्ता नहीं ,
खुश रहना ही एक रास्ता है...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–43 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 03 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

होली सद्भाव, अपनत्व और गिले-शिकवे भुलाने का पर्व है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह रंगोत्सव एवं महामूर्ख सम्मेलन 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को सुदृढ़ करने का पावन अवसर भी है। यह पर्व हमें छोटी-छोटी अनबन और गिले-शिकवे भुलाकर नए सिरे से संबंधों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब में पर्वों को मिल-जुलकर मनाने की एक गौरवशाली परंपरा रही है। रायपुर प्रेस क्लब वर्षों से होली मिलन और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव

को मजबूत करने का कार्य कर रहा है, यह परंपरा आगे भी निरंतर जारी रहनी चाहिए। उन्होंने प्रेस क्लब परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कामना की कि यह उल्लासपूर्ण पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता लेकर आए। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री साय का अनूठे अंदाज में मिर्ची की माला पहनाकर तथा त्रिशूलनुमा पिचकारी भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रेस क्लब के होली विशेषांक सेंसलेस टाइम्स का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने बजाया नगाड़ा, रंगों के उल्लास में झूमे पत्रकार

होली मिलन समारोह में उमंग का तब अनोखा वातावरण देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं नगाड़ा बजाकर उत्सव का जोश दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री के नगाड़ा बजाते ही समारोह में उपस्थित पत्रकारों और अतिथियों ने तालियों से उत्साह व्यक्त किया और पूरे परिसर में आनंद की लहर दौड़ गई। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की धुन पर मुख्यमंत्री भी पत्रकार साथियों के साथ फाग गीतों और होली के उल्लास में सहभागी बने। कार्यक्रम में संगीत, संस्कृति और आपसी भाईचारे का सुंदर संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के सलाहकार आर कृष्णा दास, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, नगर निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी सहित अन्य पत्रकारगण, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के नव पदस्थ सदस्य राजीव श्रीवास्तव ने की भेंट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के नव पदस्थ सदस्य राजीव श्रीवास्तव ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर राजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण की वर्तमान गतिविधियों, कार्यप्रणाली तथा भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने प्राधिकरण द्वारा पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करते हुए आमजन का विश्वास बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया।

RTI का हवाला, साक्ष्य अधिनियम पर चुप्पी ? , PWD की कार्यशैली पर उठे तीखे सवाल

नरेंद्र डाकलिया / राजनांदगांव। बायपास सड़क निर्माण में अधिग्रहित अतिरिक्त भूमि के शेष मुआवजे को लेकर चल रहे प्रकरण में लोक निर्माण विभाग (PWD) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। आवेदक अभय कोटड़िया द्वारा भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 76 के तहत मांगे गए दस्तावेजों पर विभाग ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत जवाब देकर प्रकरण को हस्तांतरित कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदक ने 5 फरवरी 2026 को रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल, दुर्ग को आवेदन भेजकर बायपास सड़क में अधिग्रहित (अर्जित) अतिरिक्त भूमि के शेष मुआवजा भुगतान से संबंधित अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां मांगी थीं। इसके जवाब में कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल, दुर्ग द्वारा जारी पत्र क्रमांक 974, 18 फरवरी 2026 में उल्लेख किया गया कि आवेदक का आवेदन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत प्राप्त हुआ है। पत्र में यह भी दर्ज है कि आवेदन 05 दिसंबर 2025 कार्यालय को 17 फरवरी 2026 को प्राप्त हुआ तथा मांगी गई जानकारी संभागीय कार्यालय से संबंधित होने के कारण सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 6(3) के तहत इसे जनसूचना अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, राजनांदगांव को हस्तांतरित किया जाता है। यहीं से विवाद खड़ा हो गया है। आवेदक का कहना है कि उन्होंने स्पष्ट रूप से भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 76 के अंतर्गत प्रमाणित प्रतिलिपि की मांग की थी, जबकि विभाग ने उसे सूचना का अधिकार अधिनियम का आवेदन मानते हुए ट्रांसफर कर दिया। आवेदक ने इसे कानून की अनदेखी बताते हुए कहा कि जिस अधिनियम के तहत दस्तावेज मांगे गए, उस पर विचार किए बिना अन्य अधिनियम का हवाला देना गंभीर लापरवाही दर्शाता है। उनका आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी बिना विधिक परीक्षण किए लिपिकीय स्तर पर तैयार मसौदे पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। मामला अब केवल दस्तावेज उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ है कि क्या विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अधिनियमों के प्रावधानों से भलीभांति परिचित हैं या नहीं।

ग्रहण की छाया में रंगोत्सव: होलिका दहन के अब बाद अब कल उड़ेगा रंग-गुलाल

पुलिस प्रशासन अर्लट, हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

देश भर में इस बार होली का उल्लास पंचांग और खगोलीय घटना के कारण बदले हुए क्रम में दिखाई दे रहा है। दो मार्च को परंपरागत रूप से होलिका दहन के साथ पर्व की शुरुआत हुई, लेकिन तीन मार्च को पड़ रहे चंद्र ग्रहण के चलते रंगोत्सव चार मार्च को मनाया जाएगा। इसी कारण इस बार होली का उत्साह दो चरणों में बंटा नजर आ रहा है—एक ओर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ग्रहण काल की सावधानियां, दूसरी ओर रंग और उमंग का इंतजार।

कल रंगों की बौछार

चंद्र ग्रहण के कारण तीन मार्च को रंग खेलने से परहेज रखा जा रहा है। परिणामस्वरूप चार मार्च को रंगोत्सव का मुख्य उत्सव मनाया जाएगा। बाजारों में गुलाल, पिचकारी, रंग और मिठाइयों की खरीदारी चरम पर है। व्यापारियों के मुताबिक इस बार मांग में विशेष बढ़ोतरी देखी जा रही है, क्योंकि लोगों ने रंग खेलने का कार्यक्रम एक दिन आगे बढ़ा दिया है। बच्चों और युवाओं में खास उत्साह है।

सामाजिक संगठनों ने नागरिकों से अपील की है कि होली सौहार्द, शांति और भाईचारे के साथ मनाएं। जल संरक्षण और पर्यावरण के मद्देनजर सूखी होली खेलने का संदेश भी दिया जा रहा है। वहीं चिकित्सकों ने त्वचा और आंखों की सुरक्षा के लिए प्राकृतिक रंगों के उपयोग की सलाह दी है।

इस बार होली का रंग थोड़ा अलग है—धार्मिक आस्था, खगोलीय घटना और प्रशासनिक सतकर्ता के बीच उत्सव का उत्साह बरकरार है। दो मार्च को अग्नि के प्रतीक के साथ बुराई के दहन का संदेश दिया गया, और अब चार मार्च को रंगों के साथ प्रेम, उल्लास और एकता का पर्व पूरे देश में उमंग के साथ मनाया जाएगा।

ग्रहण व परंपरा का संतुलन

पंडितों के अनुसार ग्रहण काल में विशेष सावधानियां बरती जाती हैं। हालांकि कई प्रमुख मंदिरों ने स्पष्ट किया है कि ग्रहण के दौरान भी निर्धारित समय पर पट खुलेंगे और पूजा-अर्चना नियमित रूप से होगी। श्रद्धालुओं से संयम और नियमों का पालन करने की अपील की गई है। धार्मिक स्थलों पर अतिरिक्त व्यवस्था की गई है ताकि ग्रहण के समय भीड़ नियंत्रित रहे और श्रद्धालु बिना असुविधा के दर्शन कर सकें।

शराब दुकानों पर भीड़

चार मार्च को शुष्क दिवस घोषित किए जाने के कारण शराब दुकानों के बाहर मंदिरा प्रेमियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। लोग अग्रिम खरीदारी में जुटे हैं। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि को सभी शराब दुकानें बंद रहेंगी और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

पुलिस व प्रशासन सतर्क

होली और ग्रहण—दोनों को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। शहरों में गश्त बढ़ाई गई है और हुड़दंग, जबरन रंग लगाने या कानून-व्यवस्था भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। ट्रैफिक पुलिस ने भी विशेष प्लान तैयार किया है ताकि त्योहार के दौरान यातायात बाधित न हो।

चंद्रनगर कोहका में होलीका दहन व होलीमिलन समारोह

चंद्रनगर कोहका में होलीका दहन व होलीमिलन समारोह आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य रूप से कालोनी के सभी नागरिक उपस्थित थे। भाजपा नेता शारदा गुप्ता ने कहा कि होली का यह पावन त्योहार हमें अच्छाई की जीत और बुराई के नाश का संदेश देता है। हम सभी होली के रंगों में रंगकर अपने जीवन को खुशियों और रंगों से भरें। सभीको ढेरों शुभकामनाएं! इस अवसर पर शारदा गुप्ता संतोष सोनी यशे डुलानी सत्यनारायण अजय प्रसाद रेखा ब्रम्हे राजकुमार ब्रम्हे सुनीता राणे गीता चौधरी नीलम भारती सुधा शिवकुमारी प्रजापति अनीता सिंह यशोदा मिश्रा नीलम देवी प्रभावती कोमल दुलानी यशे दुलानी लीलावती वर्मा शोभा चौरे रेखा देवी गीता चौधरी चमेली देवी शिव कुमारी प्रजापति सहित सैकड़ो प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस की कार्यकारिणी ने बघेल से की भेंट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी ने पूर्व मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से आशीर्वाद लिया अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का परिचय कराया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कार्यकारिणी टीम को देख जनाई। विधायक देवेंद्र यादव के प्रवास पर होने के कारण कार्यकारिणी उनसे नहीं मिल पाई।

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में कमेटी की नई कार्यकारिणी ने सोमवार, 2 मार्च को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से उनके निवास पर मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया। भिलाई विधानसभा के विधायक देवेंद्र यादव के बाहरी प्रवास पर होने के कारण कार्यकारिणी उनसे नहीं मिल पाई।

सर्वप्रथम कार्यकारिणी पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के भिलाई- 3 स्थित निवास पर पहुंची। अध्यक्ष चंद्राकर ने पुष्पगुच्छ से श्री बघेल का स्वागत किया और एक-एक कर कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया। नई कार्यकारिणी पूरे जोश से कार्य कर सके और जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर सके इसके लिए सभी पदाधिकारियों ने बघेल से आशीर्वाद लिया। बघेल ने नई कार्यकारिणी की यंग टीम को देखकर खुशी जताई तथा अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम पूरे जोश, होश और हिम्मत के साथ एक परिवार की तरह मिलजुल कर कार्य करेगी।

यहां से कार्यकारिणी पूर्व गृह मंत्री श्री साहू के मीनाक्षी नगर, बोरसी स्थित निवास पहुंची। श्री साहू ने प्रसन्नता जताई तथा स्वयं आगे बढ़कर एक-एक का परिचय लिया। अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने उनका स्वागत पुष्पगुच्छ से किया और सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि यह टीम बहुत ऊर्जावान है और पार्टी के प्रचार प्रसार में रात दिन एक कर देगी।

श्री साहू ने नई टीम को अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी साथी संकल्प लें कि हमें पार्टी को जमीनी मजबूत करना है। जनहित से जुड़ी कोई भी समस्या दिखे तो पार्टी के पदाधिकारी उसे मुखर रूप से उठाएं। लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए हम कार्य करेंगे तो पार्टी के प्रति लोगों का विश्वास और बढ़ेगा। इससे पूर्व कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष श्री चंद्राकर के निवास पर हुई। जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और विधायक देवेंद्र यादव से मिलकर आगे की रणनीति बनाने पर विचार विमर्श किया गया।

जोरदार स्वागत रिटायर्ड आईएएस गणेश शंकर मिश्रा की कार्यशैली की वजह से बनी प्रदेश में अलग पहचान

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष का गृह ग्राम मुरा में हुआ अभिनंदन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

रायपुर। राज्य नीति आयोग का उपाध्यक्ष बनने के बाद रिटायर्ड आईएएस गणेश शंकर मिश्रा पहली बार अपने गृह ग्राम मुरा पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने आत्मीयता के साथ उनका अभिनंदन किया और कार रैली में युवाओं ने उनकी अगुवानी की। गणेशशंकर मिश्रा ने देवी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और युवाओं से बधाई स्वीकार करते हुए आशीर्वाद दिया।

ग्राम मुरा क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में रिटायर्ड आईएएस गणेश शंकर मिश्रा की अपनी अलग बेहतरीन कार्यशैली की वजह से उनकी पहचान है। राज्य नीति आयोग में उन्हें जिम्मेदारी मिलने से प्रदेशवासियों में काफी हर्ष का वातावरण है। अपने स्वागत और क्षेत्र में मिली आत्मीयता से भाव विभोर गणेश शंकर मिश्रा ने सोशल मीडिया में पोस्ट किया कि अपनों के बीच लौटना उनके लिए आशीर्वाद ही सबसे बड़ी शक्ति है।

वे अपने गृह क्षेत्र के बीच पहुँचकर जो स्नेह, आत्मीयता और आशीर्वाद मिला, वह मेरे लिए शब्दों से परे है। आप सभी ने जिस प्रेम, विश्वास और सम्मान के साथ स्वागत किया, वह मेरे लिए किसी भी पद या दायित्व से कहीं अधिक मूल्यवान है। यह सम्मान वास्तव में मेरा नहीं, उस मिट्टी का है जिसने मुझे संस्कार दिए, उस समाज का है जिसने मुझे आगे बढ़ाया, और उन सभी साथियों का है जिनके सहयोग से मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ।

मैं आप सभी का हृदय से आभारी हूँ। आपका यह स्नेह ही मेरी शक्ति है और आगे भी प्रदेश व समाज की सेवा में यही प्रेरणा बनकर रहेगा।

होली के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के आदेशानुसार 04 मार्च होली के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर ने जिले में स्थित समस्त देशी मदिरा एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों, रेस्टरिन्ट, बार, होटल-बार, क्लब आदि भाण्डागार भिलाई को 4 मार्च 2026 को पूर्णतः बंद रखने के आदेश दिए हैं। उक्त आदेश का कड़ाई से पालन करने कहा गया है।

अवकाश संबंधी सूचना

पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के सुधि पाठकों को होली पर्व की हार्दिक बधाई। सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु कार्यालय में होली के पर्व पर 4 मार्च को अवकाश रहेगा। आगामी अंक 5 मार्च को प्रकाशित होगा।

संपादक नई दृष्टिबिंदु

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।

Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER

शाम 4 बजे से पढ़े

संत शिरोमणि गाडगे बाबा की 150वीं जयंती पर शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नेवई प्राचीन बैकुंठधाम मंदिर में राष्ट्र संत शिरोमणि गाडगे बाबा की 150वीं जयंती पर आयोजित निर्मल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। रजक धोबी निर्मलकर समाज रिसाली परिक्षेत्र द्वारा राष्ट्र संत शिरोमणि गाडगे बाबा की 150वीं जयंती बड़े धूमधाम से मनाया गया इस कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर राष्ट्र संत शिरोमणि गाडगे बाबा जी पुष्पांजलि अर्पित कर उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि आज हम सभी ऐसे महान संत का स्मरण कर रहे हैं, जिन्होंने अपने जीवन और कर्मों से समाज को स्वच्छता, सेवा और सामाजिक जागरुकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत गाडगे बाबा ने "स्वच्छता ही सच्ची

पूजा" का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि संत गाडगे बाबा की स्वच्छता की प्रेरणा से उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान का स्मरण हो गया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2014 को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की और आज स्वच्छता जनआंदोलन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह संत गाडगे बाबा के विचारों का ही प्रभाव है कि देश में स्वच्छता के प्रति व्यापक जागरुकता आई है।

विधायक ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी माताओं-बहनों को सम्मान दिलाने का कार्य किया है। देशभर में शौचालयों के निर्माण से उनकी गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएँ शुरू की गई हैं और सरकारी प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएँ शुरू की गई, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री जनधन योजना जैसी पहलें शामिल हैं। आज सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों तक पहुँच रहा है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास दोनों बढ़े हैं।

विधायक ने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त कर नौकरी हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि सफल और संस्कारित जीवन जीने की आधारशिला है। उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ना हम सबकी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

आगे श्री चंद्राकर ने कहा कल हमने किसान भाइयों के सम्मान किया। प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों ने धान बेचा है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से आज 10 हजार करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खाते में अंतरित की गई है। किसान भाई होली का त्योहार अच्छे से मनाएं इसलिए होली के पूर्व यह राशि प्रदान किया गया है आपके खाते में राशि पहुंच गया है उन्होंने कहा कि इस बार किसानों को बारदाने की कोई समस्या नहीं हुई, किसानों के खाते में राशि भी समय पर पहुंची है। हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है, हमारी सरकार ने किसानों की चिंता करते हुए उनके लिए प्रगतिशील योजनाएं लाई है। इस अवसर पर विधायक श्री चंद्राकर ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मनोज निर्मलकर विष्णु निर्मलकर जिला अध्यक्ष जीवन निर्मलकर, पोशू निर्मलकर कर डॉक्टर धर्मेंद्र निर्मलकर श्रीमती रूपा रजक श्रीमती अनीता निर्मलकर, मोहन निर्मलकर,मोहन रजक, प्रेम शंकर निर्मलकर,संयोजक राजेंद्र रजक, अध्यक्ष डॉक्टर प्रेमलाल निर्मलकर, चैतलाल निर्मलकर, उपेंद्र रिगरी, भगवान बुंदेला जी, राजेंद्र रजक जिला मंत्री शैलेन्द्र सेंडे, मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल व समाज के नागरिक गण उपस्थित रहे '

खास खबर

पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन में तीर्थ यात्रियों का हुआ भव्य स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के 125 श्रद्धालुओं की बनारस काशी विश्वनाथ, माँ अन्नपूर्णा, भैरव बाबा , विंध्याचल में माँ विंध्यवासिनी व अयोध्या में राम मंदिर यात्रा पूरी कर लौटे सभी का भव्य स्वागत पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन पर हुआ यह यात्रा 25 फरवरी से ट्रेन में यात्रा प्रारंभ हुई और बनारस से विंध्याचल और विंध्याचल से अयोध्या लगभग 125 की संख्या में वृद्ध व महिला शक्ति, व युवा साथी द्वारा बाबा काशी विश्वनाथ की यात्रा कर प्रभु से भिलाई की खुशहाली और समृद्धि की कामना की जहाँ भव्य मंदिर भगवान के भव्य दर्शन हुए आध्यात्मिक व मोक्ष की नगरी वाराणसी का एक अद्भुत महत्व सनातन धर्म में है और 150 वर्षों के संघर्ष के बाद बने राम मंदिर की भव्यता को शब्दों से उल्लेख करना संभव नहीं है इस धार्मिक यात्रा में लोगो का स्वागत करने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय उपस्थित हुए थे यह यात्रा पूर्व पार्षद ,जिला भाजपा पदाधिकारी कुलेश्वर प्रसाद (रिंकू साहू), व्यवसायी-विनोद चौधरी,विशाल सिंह , पार्षद-ईश्वरी नेताम, अभिलाष, संदीप राठौर, आदित्य नंदा, श्याम राठौड़, गोविंद राठौड़ व महिला शक्ति के नेतृत्व में पूरी यात्रा सफलता पूर्वक संपन्न हुई।

जनगणना 2026-27 के प्रारंभिक तैयारी के लिए निगम में प्रशिक्षण संपन्न

राजनांदगांव। भारत की जनगणना 2026-27 के लिए मकान सूचीकरण कार्य शासन के निर्देशानुसार अप्रैल से सितम्बर 2026 के मध्य निर्धारित 30 दिनों की अवधि में संचालित किया जाना प्रस्तावित है। निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा मकान सूचीकरण कार्य संपादित करने 1 मई से 30 मई 2026 तक निर्धारित किया गया है। जनगणना संबंधी दिशा निर्देश के परिपालन तथा प्रारंभिक तैयारी व मकान सूचीकरण के लिए नगर निगम टाउन हाल में निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा की उपस्थिति में निगम के अधिकारियो व कमचारियो को भवन नम्बरिंग कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

भवन नम्बरिंग के क्रियान्वयन के लिए अधिकारियो व कमचारियो को जिला मास्टर ट्रेनर दीपक ठाकुर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जानकारी दी गयी कि जनगणना कार्य में सर्व प्रथम मकान सूचीकरण एवं मकान नम्बरिंग कार्य किया जायेगा, जिसके लिए प्रत्येक वार्ड के भवन/मकानो को क्रमशः नम्बर दिया जायेगा। जिसके आधार पर जनगणना ब्लाको का निर्धारण किया जायेगा। यह कार्य वार्ड के प्रभारी उप अभियंताओ के मार्गदर्शन में किया जाना है। इस संबंध में शासन के नियमों की जानकारी दी गयी।

निगम आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने प्रशिक्षण में कहा कि शासन द्वारा जनगणना 2026-27 का कार्य किया जाना है, जिसके लिये आज प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जनगणना कार्य बहुत महत्वपूर्ण कार्य है, इसमे किसी प्रकार की कोताही नही करना है, शासन के निर्देशानुसार चरणबद्ध निर्धारित कार्यक्रम अनुसार कार्य संपादित करना है। मकान, भवन नम्बरिंग कार्य गंभीरता से करना है, जिसमें कोई भी भवन, मकान न छुटे। उन्होंने सभी अधिकारी कमचारी से सौपे गये दायित्वों का समय सीमा में सम्पादित करने कहा। प्रशिक्षण में प्र.कार्यपालन अभियंता प्रणय मेश्राम, राजस्व अधिकारी राजेश तिवारी,प्र.सहाकय अभियंता गरिमा वर्मा व सुश्री सुषमा साहू, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा सहित अभियंतागण एवं निगम के कमचारी उपस्थित थे।

माँ बम्लेश्वरी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए हो सुविधाजनक व्यवस्था : कलेक्टर

प्लास्टिक मुक्त करने तथा मंदिर परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सेवा पंडाल में श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों की सुविधा, विश्राम, चाय-नाश्ता, भोजन की सुगम व्यवस्था और पेयजल एवं विद्युत की समुचित व्यवस्था करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हो रहे चैत्र नवरात्रि पर्व के अवसर पर माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में आयोजित मेले में श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों की सुविधा एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती हर्षिता बघेल एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंकिता शर्मा उपस्थित थे।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में दूर-दराज से लाखों की संख्या में दर्शनार्थी श्रद्धा एवं आस्था के साथ पहुंचते है। चैत्र नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक व्यवस्था होनी चाहिए। सभी को माँ बम्लेश्वरी की सेवा करने का अवसर मिला है। सेवा भावना के साथ कार्य करने पर थकान नहीं होगी। उन्होंने कहा कि माँ बम्लेश्वरी की ख्याति एवं शक्ति को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारियों को समन्वित तरीके से कार्य करने कहा। पेयजल एवं विद्युत की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मेले के दौरान निर्बाध रूप से विद्युत प्रवाह चालू रहे। उन्होंने कहा कि माँ बम्लेश्वरी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए स्वयं सेवी संस्थाएं सेवा पंडाल लगाएंगे। जहां श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों की सुविधा, विश्राम, चाय-नाश्ता, भोजन की सुगम व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने मेला स्थल एवं मंदिर परिसर एवं सीढ़ियों पर साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। अंजोरा से अछोली तक सेवा पंडाल लगाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त मात्रा में ओआरएस घोल एवं आवश्यक दवाई रखने के निर्देश चिकित्सा विभाग को दिए। उन्होंने कहा कि पदयात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के पैरों में छाले पड़ने की संभावना को देखते हुए मरहम पट्टी रखने के लिए कहा।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि डोंगरगढ़ के ऊपर एवं नीचे मंदिर में डॉक्टर एवं पैरा मेडिकल स्टॉफ आवश्यक दवाईयों के साथ तैनात रहेंगे। मेले की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। उन्होंने रोपवे के फिटनेस सर्टिफिकेट एवं मेले की व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने डोंगरगढ़ मेला स्थल के आस-पास साफ सफाई कराने के लिए कहा।

उन्होंने एसडीएम एवं एसडीओपी को समन्वित तरीके से कार्य करने के लिए कहा। डोंगरगढ़ को प्लास्टिक मुक्त करने तथा मंदिर परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेला स्थल पर पार्किंग, यातायात, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सेवा पंडालों में पदयात्रियों के लिए दवाई, मरहम-पट्टी, ओआरएस घोल एवं अन्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य एवं सुरक्षा विभाग को मिष्ठान एवं अन्य खाद्य पदार्थों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंकिता शर्मा ने कहा कि माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। मंदिर परिसर, मेला तथा अन्य स्थानों पर पुलिस बलों की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से मंदिर एवं मेला स्थल की सतत निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पदयात्रियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए रौशनी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने ट्रस्ट के सदस्यों से रोपवे के फिटनेस तथा मेंटेनेंस के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि मंदिर की सीढ़ियों पर पुलिस बल की ड्यूटी रहेगी। पेड़ों में रिफलेक्टर लगाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्विक रिस्पांस टीम के माध्यम से मेला स्थल की सतत निगरानी की जाएगी। उन्होंने पदयात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। दुर्घटना जन्य क्षेत्रों में आवश्यक रेडियम, संकेतक, अस्थायी गति अवरोधक लगाने के लिए कहा। असामाजिक तत्वों की पहचान कर उन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर आवागमन एवं यातायात तथा अन्य सुविधाओं के दृष्टिगत जनप्रतिनधियों, अधिकारियों, ट्रस्ट के पदाधिकारियों व सदस्यों, सेवा पंडाल संचालकों, सभी ने चैत्र नवरात्रि मेले के सुचारू संचालन के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, एसडीएम डोंगरगढ़ एम भार्गव, एसडीएम राजनांदगांव गौतम पाटिल, एसडीओपी डोंगरगढ़ केसरी नंदन नायक, मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति के उपाध्यक्ष अनील गट्टानी, ट्रस्टी महेन्द्र भाई पटेल, योगश अग्रवाल, गौतम चोपड़ा,सुनील मुंदड़ा, नगर पालिक परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य, सेवा पंडाल संचालक उपस्थित थे।

नेत्रदान से दो जीवन होंगे आलोकित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नवदृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से दुर्ग के मधुबन नगर निवासी स्वर्गीय दिनेश कुमार जैन के निधन उपरांत उनके नेत्रदान की प्रेरणादायी प्रक्रिया संपन्न हुई। उनके नेत्रदान से दो नेत्रहीन व्यक्तियों को नेत्रज्योति प्राप्त होगी। यह जैन परिवार की संवेदनशीलता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। दिनेश कुमार जैन के निधन के पश्चात उनकी धर्मपत्नी बबिता जैन, पिता शांतिलाल जी गोधा, पुत्र साहिल जैन, डॉ. राहिल जैन, पुत्री खुशबू जैन तथा भाई राजेश, राकेश एवं पूनम जैन की सहमति से नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण की गई। नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, चेतन जैन, सपन जैन, प्रभुदयाल उजाला एवं राजीव अग्रवाल मधुबन नगर स्थित निवास पर उपस्थित रहकर नेत्रदान की व्यवस्था संभाली।

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के डॉ. श्रीया पंजवानी,डॉ नीलांजना टोप्पो,डॉ विधि अग्रवाल,डॉ विनम्र झा एवं नेत्र प्रभारी विवेक कसार ने श्री जैन के निवास स्थान पहुंचकर कॉर्नियां संकलित किए। स्वर्गीय जैन के पुत्र डॉ. राहिल जैन ने कहा कि पिता के असामयिक निधन से पूरा परिवार और समाज गहरे शोक में है। ऐसे कठिन समय में नेत्रदान का निर्णय लेना अत्यंत भावुक क्षण था, किंतु गोधा परिवार पूर्व में भी नेत्रदान कर चुका है। समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए यह निर्णय लिया गया, जिससे दो नेत्रहीन व्यक्तियों का जीवन आलोकित होगा और पिता की स्मृतियां सदैव जीवित रहेंगी।

चेतन जैन ने कहा कि दिनेश जैन समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। कम उम्र में उनके निधन से समाज के सभी वर्गों में शोक की लहर है। ऐसे कठिन समय में परिवार द्वारा लिया गया नेत्रदान का निर्णय निश्चित ही समाज में जागरूकता बढ़ाएगा। नेत्रदान प्रक्रिया के दौरान मधुबन नगर स्थित निवास पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और नम आंखों से इस पुण्य कार्य के साक्षी बने। नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बछेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, राजेश पारख, जितेंद्र भंडारी, उज्जवल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभुदयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, जितेंद्र कारिया, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल, चेतन जैन, दयाराम टांक, विनोद जैन एवं राकेश जैन ने स्व. दिनेश कुमार जैन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा जैन परिवार को इस महान निर्णय हेतु साधुवाद दिया।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत 35.40 लाख रुपए स्वीकृत

दुर्ग। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा अनुमोदित निर्धारित लागत दर अनुसार विकासखण्ड धमधा अंतर्गत अधोसंरचना निर्माण कार्य के लिए 35.40 लाख रुपए की अनुशंसा प्राप्त हुई है। अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग धमधा द्वारा प्रेषित तकनीकी स्वीकृति के आधार पर अनुशंसित कार्य को संपादित कराए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यों की संपादन कार्यकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत होगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीके दुबे से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखण्ड धमधा के ग्राम पंचायत पेण्ड्री (कु.) में हेमंत साहू के घर से हरीलाल के घर तक और राधे साहू के घर से महारथी साहू के घर तक सीसी रोड निर्माण हेतु प्रत्येक रोड के लिए 2.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत भाटा कोकड़ी में मेनरोड से नेतराम के घर तक सी.सी. रोड निर्माण हेतु 5 लाख 20 हजार रुपए तथा ग्राम पंचायत माटरा में महतारी सदन के सामने पुरन के घर से सूरज ठेला तक हाट बाजार निर्माण हेतु 25 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त निर्माण कार्य हेतु मानक मानचित्र एवं प्राक्कलन ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की वेबसाईट http://www.cg.nic.in@resworks में उपलब्ध है।

स्कूल शिक्षा के लिए 13 .5 प्रतिशत का सर्वाधिक बजट प्रावधान

संकल्प बजट प्रदेश के समावेशी विकास का आधार - चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने खैरागढ़ स्थित जिला भाजपा कार्यालय में राज्य बजट 2026-27 को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता के हित में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और वित्तीय वर्ष 2026-27 का संकल्प बजट प्रदेश के समग्र विकास का रोडमैप है। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत यह सरकार का तीसरा बजट है। राज्य सरकार का पहला बजट ज्ञान और दूसरा गति थीम पर आधारित था, जबकि इस वर्ष की थीम संकल्प रखी गई है। यह बजट यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना के अनुरूप तैयार किया गया है।

चंद्राकर ने बताया कि सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है और इसके तहत पांच मुख्यमंत्री मिशन बनाए गए हैं - मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन, मुख्यमंत्री एआई मिशन, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन, मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिशन तथा मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन। इन मिशनों के माध्यम से प्रदेश के

विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने जानकारी दी कि स्कूल शिक्षा के लिए 13.5 प्रतिशत का सर्वाधिक बजट प्रावधान किया गया है। बस्तर के अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो एजुकेशन सिटी स्थापित की जाएंगी। शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के लिए कैशलेस उपचार की व्यवस्था हेतु भी बजट प्रावधान किया गया है। होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

कुनकुरी, मनेन्द्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा एवं दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज संचालन, जगदलपुर-अंबिकापुर में हवाई सेवाओं के विस्तार, अंदरूनी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री बस सेवा तथा बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक्स के आयोजन के लिए भी बजट में राशि निर्धारित की गई है। भर्ती प्रक्रिया को गति देने हेतु व्यापम की दक्षता बढ़ाने के प्रावधान किए गए हैं। युवाओं के शैक्षणिक भ्रमण के लिए छत्तीसगढ़ युवा दर्शन योजना प्रारंभ की जाएगी। साथ ही लखपति दीदियों के भ्रमण हेतु भी बजट में प्रावधान रखा गया है।

औद्योगिक विकास के तहत 23 नवीन औद्योगिक पार्कों की स्थापना के लिए 250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। शहरी विकास को मजबूती देने के लिए मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना हेतु 200 करोड़ रुपये तथा भूमि विकास बैंक के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को धान का कटोरा कहा जाता है और कृषि क्षेत्र के लिए 13,500 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। सरकार 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी के अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान कर रही है तथा आगे भी इसके लिए बजट में प्रावधान रखा गया है।

माओवादी आतंकवाद के दमन में बस्तर फाइटर की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि 1500 नई भर्तियां की जाएंगी, जिसके लिए बजट में प्रावधान रखा गया है। चंद्राकर ने बजट को प्रदेश की समृद्धि और विकास का संकल्प बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. विशेषर साहू, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष घम्मन साहू, गिरजा चंद्राकर, शशांक ताम्रकार, खम्हन ताम्रकार, उमा चौबे, आयश सिंह, आलोक श्रीवास, भावेश कोचर, दिनेश वर्मा, गोरेलाल वर्मा, नरेश कुर्रे, मुकेश वर्मा, गणेश वर्मा, देवकुमार सेन सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर -1 बॉक्सिंग क्लब के दो बोक्सरो का ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में चयन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब के कोच एवं नेशनल रेफरी व जज कुलदीप सोनकर ने बड़े हर्ष के साथ यह जानकारी दी है कि एस. समीर आत्मज दोराबाबू स्वामी स्वरूपानन्द कॉलेज हुडको, भिलाई का पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर का छात्र है का चयन 65 से 70 किलो वर्ग में तथा ओम सोनी आत्मज रमई लाल सोनी जो कि संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट क्लास बी.कॉम तृतीय वर्ष का छात्र है। चयन 85 से 90 किलो वर्ग में हुआ है।

इन दोनों खिलाड़ियों का चयन कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी, कुरूक्षेत्र हरयाणा में 2 मार्च से 7 मार्च तक आयोजित होने वाला प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इन दोनों खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर दुर्ग के सांसद एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष माननीय विजय बघेल, छत्तीसगढ़ बॉक्सिंग एसो. के अध्यक्ष आर. राजेंद्रन, सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब के कोच एवं राष्ट्रीय रेफरी व जज कुलदीप सोनकर व सहायक कोच गुरविंदर सिंह एवं समस्त पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कवर्धा बायपास व एनएच-30 के धवईपानी से सिमगा सेक्शन को 4-लेन करने चर्चा

मांग

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्री ने दिया शीघ्र स्वीकृति का आश्वासन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शनिवार के अपने नागपुर प्रवास के दौरान भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (एनएच-30) के धवईपानी (चिल्फी) से कवर्धा होते हुए सिमगा तक लगभग 122 किलोमीटर लंबे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करने तथा कवर्धा बायपास के निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को बताया कि हाल ही में एनएच - 30 के जबलपुर से मंडला एवं चिल्फी तक लगभग 160 कि.मी. के सेक्शन को 4-लेन में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में चिल्फी (धवईपानी) से कवर्धा तथा कवर्धा गुरूनाला से सिमगा तक का मार्ग 10 मीटर चौड़ाई की 2-लेन सड़क के रूप में निर्मित है। चिल्फी से रायपुर मार्ग पर वर्तमान में व्यावसायिक एवं भारी वाहनों का अत्यधिक आवागमन होता है। जबलपुर-मंडला-चिल्फी सेक्शन के 4-लेन बनने के बाद यातायात का दबाव आगे के 2-लेन सेक्शन पर और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में लोक सुरक्षा एवं यातायात सुगमता के दृष्टिकोण से धवईपानी (चिल्फी) से सिमगा (रायपुर)

तक के पूरे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

जबलपुर से रायपुर के मध्य एनएच-30 पर जिला कबीरधाम मुख्यालय कवर्धा स्थित है। यह अंतर्राज्यीय मार्ग व्यावसायिक, सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा शहर में भारी यातायात के दबाव को कम करने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवर्धा बायपास (4 लेन मय पेव्ड शोल्डर) के निर्माण की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि बायपास निर्माण से शहर के भीतर दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी तथा यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा।

नागपुर से लौटते ही रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि सिमगा से रायपुर तथा धवईपानी से जबलपुर तक 4-लेन निर्माण के आदेश पूर्व में जारी हो चुके हैं, किंतु धवईपानी से सिमगा तक का सेक्शन शेष रह गया था। इस महत्वपूर्ण खंड को भी 4-लेन में विकसित करने हेतु उन्होंने केंद्रीय मंत्री गडकरी से आग्रह किया, जिसे उन्होंने तत्काल स्वीकार करते हुए शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया। श्री शर्मा ने कहा मैं केंद्रीय मंत्री का हृदय से अभिनंदन करता हूं कि उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकता को समझते हुए इस महत्वपूर्ण मार्ग को 4-लेन बनाने के लिए सकारात्मक सहमति प्रदान की है। इससे जबलपुर से रायपुर तक आमजन को निर्बाध 4-लेन मार्ग की सुविधा मिल सकेगी।

खास खबर

महासमुंद में बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों का पुर्नवास, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया स्वागत

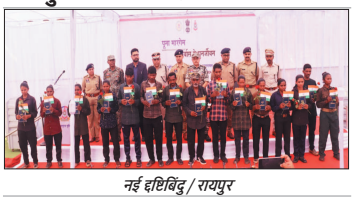

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की पुर्नवास नीति पर विश्वास जताते हुए महासमुंद जिले में हथियारों सहित पुर्नवास का मार्ग अपनाया। यह पूना मारगेम पुर्नवास से पुर्नजीवन कार्यक्रम के अंतर्गत ओडिशा सीमा के निकट महासमुंद में हुआ। उन्होंने कहा कि इस पुर्नवास के साथ ओडिशा राज्य कमेटी का पश्चिमी सब जोन (बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन) पूर्णतः समाप्त हो गया है। अब रायपुर पुलिस रेंज और ओडिशा के संबलपुर रेंज अब नक्सल मुक्त हो जाने से क्षेत्र में शांति होगी और लोग भय मुक्त जीवन जी सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के द्वारा उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर शासन की नीतियों पर विश्वास जताते हुए पुनर्वास करने के लिए इच्छा जाहिर की गई थी, जिसके जवाब में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए आश्वस्त करते हुए आकाशवाणी के माध्यम से आडियो मैसेज जारी कर 03 मार्च तक पुर्नवास की अपील की थी। उस अपील के पश्चात बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों ने पुर्नवास किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए समयावधि में यह समाप्त हो जाएगा। आज का पुर्नवास बहुत महत्वपूर्ण है, इसमें एक डिवीजन के पूरे बचे लोगों ने एक साथ पुनर्वास किया है, जो सराहनीय है। यह सब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में बनी दूरदर्शी पुर्नवास नीति से संभव हो सका है।

उल्लेखनीय है कि इस दल में सबसे प्रमुख नाम वारंगल निवासी विकास उर्फ सुदर्शन उर्फ जंगू उर्फ बाबन्ना उर्फ राजन्ना का था, वह ओडिशा राज्य कमेटी के स्टेट कमेटी मेंबर तथा बीबीएम डिवीजन प्रभारी था, जिस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह वर्ष 1985 से संगठन में सक्रिय था। इस दल के कुल 15 लोगों में पुर्नवास किया, जिनमें 9 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। वे अपने साथ 3 एके-47, 2 एसएलआर, 2 इंसास, 4 .303 राइफल, 3 बारह बोर सहित कुल 14 अत्याधुनिक एवं ऑटोमेटिक हथियार लावे हैं।

संत कबीर की वाणी समाज को जोड़ती है, सरकार का संकल्प जनजीवन संवारता है : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने की ग्राम नादिया में मिनी स्टेडियम के निर्माण व भव्य संत कबीर प्रवेश द्वार बनाने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / 00000

संत परंपरा और आध्यात्मिक चेतना समाज को सही दिशा देती है, और जब शासन व्यवस्था इन मूल्यों से जुड़ती है, तो विकास और संस्कार दोनों साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। संत कबीर की वाणी समाज को जोड़ती है, सरकार का संकल्प जनजीवन संवारता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम नादिया स्थित कबीर मठ आश्रम में आयोजित अखिल भारतीय सदगुरु कबीर संत सम्मेलन फाल्गुन महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर आश्रम में विकास कार्य के लिए 11 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने मठ आश्रम परिसर में स्थायी डोम निर्माण और प्रतिवर्ष आयोजन के लिए बजट में राशि का प्रावधान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम नादिया में मिनी स्टेडियम के निर्माण की घोषणा की, साथ ही राजनांदगांव शहर में कबीर साहेब के नाम भव्य प्रवेश द्वार निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 202 साल पहले पूज्य सदगुरु सेवा साहब जी ने नादिया जैसे गांव में कबीर मठ की स्थापना की। हलबा समाज के संत स्वरूप मंतू ठाकुर जी ने आश्रम की सेवा के लिए अपनी समस्त संपत्ति अर्पित कर दी। श्री साय ने कहा कि हलबा समाज का गौरवशाली और समृद्ध इतिहास रहा है। हलबा समाज से गेंदसिंह जी जैसे महानायक हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में सदगुरु कबीर के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश में सदगुरु संत कबीर का बड़ा प्रभाव है। उन्होंने अपने बचपन से ही कबीर पंथ से जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि कुनकुरी में कबीरपंथ का बड़ा आश्रम है। बचपन से ही पंथ के रीति-रिवाजों से मैं भलीभांति परिचित रहा। छत्तीसगढ़ का जिला कबीरधाम सदगुरु के नाम पर है। यहां के लोकजीवन में कबीर की वाणी का प्रभाव है।

उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है, जहां की 80 प्रतिशत आबादी कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ी है। हमने सुव्यवस्थित धान खरीदी की। धान बेचने के 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में राशि पहुंचे, यह सुनिश्चित किया। शनिवार को हमने 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों के खातों में कृषक उन्नति योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की। महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्रदेश की 69 लाख से अधिक माताओं-बहनों के खातों में 15 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी में हमने वादा किया था कि सरकार बनते ही प्राथमिकता के आधार पर 18 लाख आवास प्रदान करेंगे। हमने शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर ही पहली कैबिनेट बुलाकर 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दे दी। आज 8 लाख से ज्यादा मकान बन चुके हैं, जिनका गृह प्रवेश भी हो चुका है। इतना ही नहीं, बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। आत्मसर्पित नक्सलियों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की अलग से स्वीकृति हुई है। पीवीजीटी समुदाय के लोगों के लिए अलग से 32,000 पीएम आवासों की स्वीकृति हुई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि जैसे-जैसे नक्सलवाद समाप्त हो रहा है, बस्तर के पिछड़े क्षेत्रों में विकास हो रहा है। जिन गांवों में कभी सर्वे नहीं होता था, आज वहां की 7,000 से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने दो साल में 32,000 से ज्यादा नौकरियों की प्रक्रिया शुरू की। 5,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती निकाली जा रही है। हमारा छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्रीराम ने 14 साल में सबसे ज्यादा समय छत्तीसगढ़ में बिताया। 500 साल के संघर्ष के बाद अयोध्या धाम में हमारे भांचा राम विराजमान हुए तो हमने छत्तीसगढ़ से श्रीराम लला दर्शन योजना की शुरुआत की, जिसके तहत अब तक 42,000 से अधिक लोगों को अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ धाम का दर्शन कराया जा चुका है। हमने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की भी पुनः शुरुआत की है, जिसमें 5,000 से ज्यादा लोगों को देश के 19 चिन्हांकित तीर्थस्थलों का दर्शन कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के सख्त खिलाफ है। डीएमएफ, कोयला और पीएससी घोटाले के दोषी जेल के भीतर हैं। आज राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शी व्यवस्था है, इसलिए गरीब का बेटा भी बड़ा अधिकारी बन रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यदि पूरे भारतवर्ष में देवभूमि, संस्कारभूमि और समर्पण की परंपरा की बात की जाए, तो छत्तीसगढ़ का स्थान अत्यंत विशिष्ट और सम्मानजनक है। यहां की मिट्टी में सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना रची-बसी है, जो प्रदेशवासियों के जीवन और व्यवहार में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग सरल, संवेदनशील और संस्कारों से परिपूर्ण हैं, यही इस प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को भी समान महत्व दे रही है, जो छत्तीसगढ़ की पहचान को और मजबूत बनाता है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का संत-महात्माओं के प्रति गहरा सम्मान और आस्था है। ऐसा कोई दिन शायद ही गुजरता हो, जब मुख्यमंत्री निवास में किसी संत, महात्मा या आध्यात्मिक व्यक्तित्व का आगमन न होता हो। यह केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, मार्गदर्शन और मूल्यों के संरक्षण का एक सशक्त माध्यम भी है।

सांसद संतोष पांडेय ने छत्तीसगढ़ की धरती को रत्नगर्भा बताते हुए कहा कि हमारी धरती को समय-समय पर संतों का मार्गदर्शन मिलता रहा है। संतों की वाणी में जीवन का आदर्श और दर्शन मिलता है। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं महापौर मधुसूदन यादव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी, जिला सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष भरत वर्मा, श्रम मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, डोंगरगांव जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती रंजीता ग्राम पंचायत नदिया के सरपंच श्रीमती वंदिता ठाकुर, आचार्य स्वामी मंगल साहेब, धर्माधिकारी सत्येंद्र साहेब, डॉक्टर भागीरथी साहेब, सुश्री साध्वी सुमेधा साहेब संत रामरतन स्वरूप साहेब, लेख चंद्र साहेब सहित अन्य गणमान्य नागरिक गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंत्री देवांगन ने चंदपुरिहा कंसोधन वैश्य गुप्ता समाज को दिया सामुदायिक भवन की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वाणिज्य उद्योग, श्रममंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा मे चंदपुरिहा कंसोधन वैश्य गुप्ता समाज को 25 लाख की लागत के सामुदायिक भवन की सौगात देते हुए निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

डीडीएम नहर मार्ग मे आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में महर्षि कश्यप ऋषि की पूजा अर्चना कर जिला खनिज न्यास मद से बनने वाले भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा कि पिछली बार जब समाज के सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ था तब समाज की मांग पर इस कार्य की सहर्ष घोषणा की थी। जिला खनिज न्यास मद से 25 लाख की लागत से भवन की स्वीकृत कराई गई, और आज आज सभी के उपस्थिति में भवन का भूमि पूजन किया जा रहा है। साथ ही समाज के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा विधानसभा अंतर्गत सभी समाज की मांग अनुरूप उनके लिए सामुदायिक भवन, मंच, डोम शेड, बाउंड्री वॉल सहित महत्वपूर्ण विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। ट्रिपल इंजन की सरकार में 800 करोड़ से अधिक की राशि के कार्यों की गिनत 2 वर्षों में प्राप्त हो चुकी है, उन सभी कार्यों को तेजी से धरातल पर उतर जा रहा है।

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि

कोरबा नगर निगम क्षेत्र आज विकास के नए आयाम लिख रहा है, बड़े निर्माण कार्यों के साथ-साथ छोटे कार्य भी जल्द से जल्द शुरू कराकर पूर्ण कराया जा रहे हैं, सामाजिक भवनो का विकास कराई जा रहे हैं। उद्योग मंत्री के नेतृत्व में आज फंड तेजी से जारी हो रही है, आज इसी का परिणाम है की विकास कार्यों का लाभ जनता को मिलने लगा है। यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर सभापति नूतन ठाकुर, पार्षद श्रीमती मथुरा चंद्रा, पार्षद नरेंद्र देवांगन, राम कुमार साहू, ईश्वर पटेल, योगेश्वर प्रसाद गुप्ता, डॉ पीयूष गुरु गोस्वामी, राजेश गुप्ता, श्रीराम सेवक गुप्ता, मलिक राम गुप्ता, बालमुकुंद गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता, मनोज गुप्ता, श्रीमती प्रभा गुप्ता, डॉ शुभम गुप्ता, श्रीमती सीमा गुप्ता, राजीव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, राकेश नागरमल, विजय गुप्ता सहित समाज के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मंत्री रामविचार नेताम ने धोन्धा प्रतापपुर में किया कृषि महाविद्यालय का भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने धोन्धा प्रतापपुर में बहुप्रतीक्षित कृषि महाविद्यालय का विधिवत भूमि पूजन संपन्न किया। उनके द्वारा 889.53 लाख राशि से निर्मित होने वाले कृषि महाविद्यालय भवन प्रतापपुर (धोन्धा) व 602.10 लाख से निर्मित होने वाले बालक एवं कन्या छात्रावास भवन प्रतापपुर (धोन्धा) का भूमि पूजन किया गया।

इस अवसर पर प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैंकरा, जिला पंचायत सदस्य लवकेश पैंकरा, क्षेत्र के किसान, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। भूमि पूजन के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि यह दिन धोंधा प्रतापपुर और संपूर्ण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि इस पावन भूमि पर कृषि महाविद्यालय की स्थापना से किसान बंधुओं की आने वाली पीढ़ियों के लिए उच्च

कृषि शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे।

मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इस महाविद्यालय के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती के तरीके और कृषि विज्ञान की उच्चस्तरीय शिक्षा अब उनके अपने गृह जिले में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि महाविद्यालय का निर्माण कार्य शीघ्र एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाएगा।

इस अवसर पर प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि महाविद्यालय की स्थापना उनके क्षेत्र के लिए एक स्वप्न के साकार होने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय के लिए प्रयास आज सफल हुआ है जिसमें कृषि मंत्री राम विचार नेताम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने ग्रामवासियों एवं किसान बंधुओं से कहा कि अब उनके बच्चों को उच्च कृषि शिक्षा के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों में नहीं भटकना पड़ेगा।

विधायक श्रीमती पोर्ते ने यह भी कहा कि यह महाविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र के कृषि विकास और युवाओं के उज्जवल भविष्य की नींव भी रखेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। इस कृषि महाविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं को कृषि विज्ञान, उद्यानिकी, पशुपालन और ग्रामीण प्रबंधन जैसे विषयों में उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा। अब दूरदराज के ग्रामीण विद्यार्थियों को बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा और वे अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

ठाकुरदिया खुर्द में राम मंदिर का उपमुख्यमंत्री शर्मा ने किया भूमिपूजन

सौगात

उपमुख्यमंत्री ने की सामाजिक भवन व पिथौरा में जनपद पंचायत भवन निर्माण की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा महासमुंद जिले के ठाकुरदिया खुर्द में आयोजित राम मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और मर्यादा के प्रतीक हैं तथा राम मंदिर का निर्माण समाज की आस्था और एकता का प्रतीक है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या में निर्मित श्री राम मंदिर सनातन समाज के संकल्प

और आस्था की अद्भुत मिसाल है। उसी प्रेरणा से गांव-गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का विकास होना चाहिए। अयोध्या के भगवान राम के मंदिर से ईंट लेकर इस मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। अयोध्या का श्री राम मंदिर अपने आप में विशेष है वह सनातनी मान बिंदु है, कई आक्रान्ता आये और हमारे मंदिरों को छिन्न भिन्न कर दिया था, उस समय समाज के लोगों ने संकल्प लिया होगा और 500 साल बाद राम मंदिर फिर भव्य रूप में बनकर खड़ा है।

आज इस मन्दिर का निर्माण का प्रारम्भ अयोध्या से लाई ईंट से हो रहा जो बहुत अद्भुत है। संकल्प लेकर मंदिर निर्माण का कार्य समय पर पूरा करें। उन्होंने मंदिर हेतु समाज द्वारा प्रदान किए गए दान की भी सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने ठाकुरदिया खुर्द में 20 लाख रुपए की लागत से सामाजिक भवन तथा पिथौरा जनपद पंचायत में 25 लाख रुपए की लागत से सभाभवन निर्माण की घोषणा भी की।

इस अवसर पर उमेशानंद गिरी महाराज, कृष्णानन्द गिरी महाराज, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री आन्ध्र प्रदेश अमर सिंग तिलावत, जिला भाजपा अध्यक्ष एतराम साहू, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, जनपद अध्यक्ष उषा पुरुषोत्तम चुतलहरे, जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भिखम ठाकुर भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्मिता चंद्राकर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमन वर्मा, युवा जिला अध्यक्ष बाला चंद्राकर, आयोजन समिति के अजय नायक उपस्थित रहे।

खनिज के अवैध उत्खनन व परिवहन मामले में 27 वाहन जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायगढ़ जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने खनिज विभाग द्वारा जांच-पड़ताल एवं कार्यवाही का सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। बीते एक सप्ताह के दौरान रायगढ़ जिले में खनिज अमले द्वारा कुल 27 वाहनों को जब्त किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध खनिज परिवहन के अंतर्गत रेत के 20 ट्रैक्टर एवं 02 हाईवा, खनिज मिट्टी-मुरूम के 03 ट्रैक्टर तथा चूनापत्थर के 02 हाईवा को जब्त किया गया है। जब्त किए गए सभी 27 वाहनों को सुरक्षार्थ कलेक्ट्रेट परिसर सहित थाना कोतरा रोड, भूपदेवपुर, पूंजीपथरा एवं पुसौर में रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा संबंधित परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध छत्तीसगढ़

गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 एवं 23(क) के अंतर्गत विधिसम्मत प्रकरण दर्ज किया गया है। अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर ने खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर पूर्णतः नियंत्रण सुनिश्चित करने हेतु खनिज विभाग के अधिकारियों को सतत निगरानी रखने और दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

ताकतवर को कौन बुरा कह सकता है

कहावत है कि समरथ को नहीं दोष गुसांई। जो समरथ होता है, वह कुछ भी कर सकता है, वह जो कुछ करता है, उसे कोई बुरा नहीं कहता है। सब यही कहते हैं कि आपने तो बहुत अच्छा काम किया है। इससे तो सबका भला होगा। आप ही तो ऐस महान आदमी हैं जो सबके भले का यह काम कर सकते हैं। यह काम तो आपके सिवाय कोई कर ही नहीं सकता था।आपने यह अच्छा काम करके ऐतिहासिक काम किया है। आपका नाम भी इतिहास में ऐसे नेताओं के साथ लिया जाएगा जिन्होंने देश व दुनिया के लिए ऐतिहासिक काम किए हैं।

अमरीका में कई ऐसे राष्ट्रपति हुए हैं जिन्होंने ऐतिहासिक काम किए हैं,इसलिए जो भी अमरीका का राष्ट्रपति बन जाता है तो वह समझता है कि वह राष्ट्रपति बना ही इसलिए है कि उसे अमरीका व विश्व के लिए ऐतिहासिक काम करने हैं। अमरीका के राष्ट्रपति के लिए कई काम ऐसे होते हैं जिसे हर राष्ट्रपति करना चाहता है, एक काम है विश्व में शांति बनाए रखना, दूसरा विश्र में जहां लोकतंत्र नहीं है उस देश में लोकतंत्र की स्थापना करना,कोई भी और किसी भी देश का कोई बड़ा नेता अमरीका के लिए चुनौती बने तो उसको खत्म कर देना।

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बने तो उनको भी लगा कि उनसे पहले के राष्ट्रपतियों ने जैसे कई महान काम किए हैं, उनको भी ऐसे महान काम करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कई ऐसे काम किए जो उनके पहले के नेताओं ने भी नहीं किए जैसे टेरिफ का इस्तेमाल करके हर देश को यह बताना कि अमरीका का कहना नहीं मानोगे तो अमरीकी टैरिफ हमले का सामना करना पड़ेगा। अमरीका के इस टैरिफ हमले को अमरीका की अदालत ने ठीक नहीं माना है इसके खिलाफ फैसला दिया है लेकिन ट्रंप इसे सही मानते है क्योंकि वह अमरीका के महान नेता हैं और अदालत उनके महान काम में अडंगा डाल रही है।

ट्रंप भी अन्य राष्ट्रपतियों की तरह खुद को विश्व शांति का रक्षक मानते हैं,इसलिए जहां भी युध्द हो रहा हो वह देश चाहे या न चाहें ट्रंप ने उनको रुकवाने का श्रेय लिया ताकि अमरीकी राष्ट्रपति की तरह उनको विश्व में शांति स्थापित करने के लिए नोबल पुरस्रकार मिलता। ट्रंप कहते रहे कि वह आठ देशों में युध्द रुकवाकर शांति स्थापित कर चुके हैं लेकिन उनको कोई शांति नोबल के लायक नहीं मानता है। विश्व शांति के लिए अगर युध्द करना हो किसी देश पर हमला करना हो तो ट्रंप वह भी करते हैं। ईरान पर एक बार हमला करने के बाद दोबारा हमला भी किया है तो उन्होंने अपने लिए थोड़ी न किया है, उन्होंने यह काम ईरान में लोकतंत्र की स्थापना व विश्व शांति के लिए किया है।उनकी बात जो नहीं मानता है वह विश्व शांति के लिए खतरा हो जाता है।

ईरान के सबसे बड़े धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामनेई उनकी बात मानने को तैयार नहीं थे, उनको हर तरह से डराने व समझाने का प्रयास किया लेकिन वह अमरीका को अपना सबसे बड़ा दुश्मन कहते रहे।वह परमाणु बम बना रहे थे इसलिए विश्व शांति अरब देशों के लिए खतरा थे। ईरान की जनता के आंदोलन के जरिए उनको हटाने का प्रयास कई बार किया जा चुका है। ऐसा प्रयास जब असफल हो जाता है तो अमरीका के राष्ट्रपति के पास एक ही चारा बचता है कि उसे मार देना और इस बार अमरीका के राष्ट्रपति अयातुल्ला अली खामनेई को मारने में सफल रहे हैं क्योंकि वह अमरीका की बात नहीं मानते थे,विश्व शांति के लिए अमरीका का बात मानना जरूरी है। खामनेई की हत्या इस बात का उदाहरण है। यह हत्या है पर इस हत्या की निंदा भी कोई देश नहीं करना चाहता क्योंकि यह तो विश्व के भले के लिए की गई है। विश्व शांति के लिए की गई है। लोकतांत्रिक ताकतों को मजबूत करने के लिए की गई हैं।

ट्रंप और राहुल का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण एक जैसा

बलबीर पुंज

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड ? और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है।

समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीति-जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल-पुथल भरी वैश्विक राजनीति में दो ऐसे व्यक्तित्व— अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी— दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा हैं। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप विदेशी है और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है।

एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। ट्रंप द्वारा भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहना कोई साधारण कूटनीतिक चूक नहीं थी। दरअसल, यह उस मानसिकता की झलक थी, जिसमें किसी राष्ट्र की ताकत को उसकी स्वतंत्र नीतियों से नहीं, बल्कि वह कितना 'हां में हां मिलाता हैइ— उस पैमाने पर आंका जाता है। ट्रंप के सहयोगियों द्वारा भारत को रूस का लॉन्ड्रोमैट बताना और रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर ब्राह्मण समाज को निशाना बनाना— महज आर्थिक टिप्पणियां नहीं थीं, बल्कि कुटिल औपनिवेशिक चिंतन की परछाई थी।

लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था कथन का समर्थन— मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिकी मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर नरेंद्र-सरेंडर जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इनकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है।

निसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वे संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके है।

हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने— जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत— से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने के बजाय इसे संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार-बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी।

राहुल की यह 'अराजकइ शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रेस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने-अनजाने में राहुल देशविरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते है। सितंबर 2024 की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है।

इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने अपने एजेंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है और उसे बचाने के लिए 'पश्चिमी हस्तक्षेपइ अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार-तंत्र का हथियार बन जाते है।

राहुल इस तरह का व्यवहार क्यों करते है? क्या इसलिए कि वे 'विशेषाधिकार की भावनाइ से ग्रस्त है? क्या वे मानते है कि केवल उन्हें ही अपने मुताबिक 'लोकइ (जनमानस) और 'तंत्रइ (मीडिया-न्यायालय सहित) चलाने का 'दैवीय अधिकारइ है? असल में उनका यह चिंतन न तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद पनपा है और न ही यह भाजपा-आरएसएस तक सीमित है। 27 सितंबर 2013 को उन्होंने अपनी ही केंद्र सरकार के एक अध्यादेश को बकवास बताते हुए उसे सार्वजनिक रूप से फाड़कर फेंक देने की बात कही थी। इसी ठसक से 2019 की एक चुनावी रैली में उन्होंने 'मोदीइ उपनाम वाले सभी लोगों को चोर कहा, तो 2024 की एक सभा में भाजपा के दोबारा सत्ता में आने पर देश के आग में जल उठने की आशंका जताई। लगातार चुनावी पराजयों के बाद वे चुनाव आयोग और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पर भी सवाल उठा रहे हैं।

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड ? और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है। वर्ष 2014 से ऐसे राजनीतिक नेतृत्व को जनादेश मिल रहा हैं, जो सभ्यतागत पुनरोद्धार, कल्याणकारी वितरण और रणनीतिक दृष्टि से ईमानदार है। भारत अभूतपूर्व स्तर पर आधारभूत संरचना का निर्माण, डिजिटल माध्यम से जनहित योजनाओं का विस्तार, रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण और बहुपक्षीय मंचों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर रहा है।

ट्रंप अपने व्यवहार-वक्तव्यों से भारत का बहुत अधिक नुकसान नहीं कर सकते। एक तो उनका कार्यकाल सीमित है। दूसरा— भारत इतना सामर्थ्यवान हो चुका है कि वह किसी भी बड़ी वैश्विक शक्ति का विरोध सहते हुए सिर ऊंचा करके जी सकता है। परंतु भारत के भीतर— विशेषकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए जाने वाले गैर-जिम्मेदाराना वक्तव्य देश को गंभीर और गहरा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

टेलरिंग के व्यवसाय में पूजा देवांगन को मिला मजबूत आधार

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

कोरबा जिले की रहने वाली पूजा देवांगन आज आत्मनिर्भरता और नारी सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायी मिसाल बन चुकी हैं। सिलाई-कढ़ाई के क्षेत्र में आगे बढ़ने की उनकी इच्छा ने उन्हें लाईवलीहुड कॉलेज कोरबा तक पहुँचाया, जहाँ से उनके जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन की शुरुआत हुई। उन्होंने सबसे पहले टेलर दर्जी के बेसिक प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। यह उनके लिए वह पहला अवसर था, जिसने आगे उनकी प्रगति को गति दी। सात दिवस का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें चार हजार रुपये की स्टाइपेंड राशि और एक लाख रुपये तक का बिना गारंटर लोन प्राप्त हुआ, जिसके सहारे उन्होंने अपने छोटे व्यवसाय के काम को आगे बढ़ाना शुरू किया।

अपने कौशल को और निखारने के उद्देश्य से पूजा ने आगे एडवांस टेलर दर्जी प्रशिक्षण में प्रवेश लिया। पंद्रह दिवसीय इस प्रशिक्षण ने उन्हें आधुनिक तकनीकों, नए तरीकों से डिजाइन तैयार करने और उन्नत उपकरणों के उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान उन्हें प्रतिदिन पाँच सौ रुपये के मान से कुल साढ़े सात हजार रुपये स्टाइपेंड और एक हजार रुपये यात्रा भत्ता भी मिला। साथ ही उन्हें दो लाख रुपये तक का बिना गारंटर ऋण स्वीकृत होने का लाभ भी प्राप्त हुआ, जिससे उनके बढ़ते व्यवसाय को मजबूत आधार मिला।

धीरे-धीरे पूजा ने अपने हुनर को कार्य में बदलना शुरू किया और घर पर ही सिलाई का काम शुरू कर दिया। उनके परिश्रम, प्रशिक्षण से मिले आत्मविश्वास और वित्तीय सहायता ने मिलकर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाया। आज पूजा अपने परिवार की मजबूती का आधार हैं और अपने व्यवसाय को विस्तार देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उनका यह सफर अनेक महिलाओं के लिए भी प्रेरणादायी है कि अवसर, दृढ़ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन मिल जाए तो हर महिला आत्मनिर्भर बन सकती है और अपने सपनों को साकार कर सकती है।

सहज जीवन से ही सुकून शांति की प्राप्ति

डॉ. मधुसुदन शर्मा

सरलता का जीवन, वह धरा है, जहां संवेदनाओं की फसल निरंतर लहलहाती रहती है। सही मायनों में सहजता ही वह उर्वर शक्ति है, जो हमारे व्यक्तित्व को 'बंजर' होने से बचाने में सक्षम है। यह समय की विसंगति ही कही जाएगी कि आर्थिक तरक्की और समृद्धि के बावजूद हमारे व्यवहार में कृत्रिमता का गहरा दखल हो गया है। किसी नजदीकी व्यक्ति से बातचीत करते हुए दिमाग में जोर डालना पड़ता है कि इस व्यक्ति की बात का वास्तविक अर्थ क्या है। यह भी कि अपने हितों की पूर्ति के लिए उसके व्यवहार में बदलाव क्यों व कैसे आ जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो हम देश-काल-परिस्थिति और अपनी जरूरतों के मुताबिक व्यवहार बदलते रहते हैं। व्यक्तित्व की जटिलता को विशिष्टता मानने का भ्रम मानवीय व्यवहार की विसंगति बनती जा रही है, जिसके लिये हम तमाम तरह के आडंबर व प्रपंच करते नजर आते हैं। हम आध्यात्मिक व धार्मिक होने का प्रदर्शन तो करते हैं लेकिन सही मायनों में हमारे कार्य व्यवहार में वो नजर नहीं आता है। आखिर व्यक्ति को अपने सामाजिक दायरे में ये गिरगिटी रंग क्यों बदलने पड़ते हैं? आखिर व्यक्ति क्यों

स्वाभाविक जीवन नहीं जी पाता ? समय की विडंबना है कि सच बोलने से पहले व्यक्ति दस बार उसके नफे नुकसान का आकलन करता है। यहां तक कि आत्मीय संबंधों में भी 'सहज संवाद' के बजाय व्यक्ति नफे नुकसान का गणित देखता रहता है। सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में हानि-लाभ का गणित तलाशना हमारी आदत बन जाती है। ऐसा लगता है, जैसे जीवन सामाजिक व्यवहार के बजाय मुनाफे की दुकान बनकर रह गई हो। हम भूल जाते हैं कि सामाजिक व्यवहार कोई गणित का सवाल नहीं है. जिसे नफे नुकसान के तराजू में तौला जा सके। दिखावे की इस दुनिया और आडंबरपूर्ण जीवन के बीच, कवि पं. भवानी प्रसाद मिश्र हमें चेताते हुए कहते हैं-

'तुम बंजर हो जाओगे यदि इतने व्यवस्थित ढंग से रहोगे। यदि इतने सोच समझकर बोलोगे / चलोगे / कभी मन की नहीं कहोगे सच को दबाकर झूठे प्रेम के गाने गाओगे तो मैं तुम से कहता हूं, तुम बंजर हो जाओगे!' सही मायनों में यहां बंजर होने से कवि का तात्पर्य मनुष्य द्वारा अपनी 'सहजता' को खो देना है। यह उस आंतरिक शून्यता की ओर उन्मुख होने का संकेत है, जहां मनुष्य के भीतर से प्रेम, करुणा और संवेदनाओं का स्रोत सूख जाता है। कवि की ये पंक्तियां नफे नुकसान के सम्मोहन को त्यागने की बात करती है। कवि जिस बंजरपन से बचने की बात करता है, उसका समाधान केवल और केवल 'जीवन की सहजता' में निहित है। प्रश्न उठता है कि यह जीवन की सहजता आखरि है क्या? क्या यह सरल होना मात्र है या कुछ और? दरअसल, सहजता का अर्थ है, मनुष्य का मूल व्यवहार। वह जो मनुष्य मूल प्रकृति है, जो हमारी कृत्रिमता, प्रदर्शन की इच्छा या 'लोग क्या कहेंगे' के भय से मुक्त है। सहज व्यक्तित्व में कोई जटिलता नहीं होती और अंदर कोई दोहरा व्यक्तित्व भी नहीं पलता। सहज व्यक्ति अपनी कमियों और खूबियों के साथ को स्वीकार करता है। हां, सहजता का अर्थ प्रमाद, अनुशासनहीनता या अनियंत्रित होना बिल्कुल नहीं है।

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार अपने मूल स्वभाव को छोड़कर किसी दूसरे के छद्म व्यवहार का अनुसरण सवर्था त्याज्य है। यहां 'स्वधर्म' का अभिप्राय किसी कमर्कांड से नहीं, अपितु हमारी उस 'मौलिक प्रकृति' से है, जिसके साथ हमारा अस्तित्व स्पंदित होता है। यदि मनुष्य अपनी मौलिकता के व्यवहार में जीवन जीता है तो वह स्वस्थ जीवन भी जी सकता है। निर्विवाद रूप से हमारे जीवन का वास्तविक सौन्दर्य सहजता में ही निहित है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर हम सहज क्यों नहीं रह पाते? दरअसल, इस असहजता की जड़ें हमारे उस मनोविज्ञान में निहित हैं, जहां हम स्वयं की एक आदर्श छवि गढ़ने की कोशिश में रहते हैं। हम स्वयं को अत्याधिक बुद्धिमान, संस्कारवान या फिर सफल दिखाने के सम्मोहन में बंध जाते हैं। फिर इसी गढ़ी हुई छवि को बनाए रखने का निरंतर दबाव हमें भीतर ही भीतर कमजोर बना देता है। हमें निरंतर यह भय सताने लगता है कि यदि हम अपने मौलिक स्वरूप में दिखे तो समाज हमें कमजोर या सामान्य न समझ ले । दरअसल, सहजता के मार्ग में दूसरी बड़ी चुनौती व्यक्तित्वों की 'तुलना' है। सही मायनों में हम दूसरों से स्वयं की तुलना करके हम अपने जीवन की स्वाभाविक लय को खो देते हैं। इसके अतिरिक्त कई बार माता-पिता द्वारा बच्चों की दोषपूर्ण परवरिश भी उसकी मौलिक प्रकृत्ति को प्रभावित करती है, जो उसक सहज जीवन जीने में बाधा उत्पन्न करती है।

सहजता की ओर लौटने में 'स्वयं की स्वीकायर्ता' ही सबसे महत्वपूर्ण सोपान है। हमें स्वयं को उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए जैसे हम वास्तव में हैं। जब हम अपनी वास्तविकता को स्वीकार कर लेते हैं तो हम दूसरों के सामने बेझिझक अपनी मौलिकता और सहजता के साथ खड़े नजर आ सकते हैं। दूसरे, सहज रहने के लिए यह भी अनिवार्य है कि हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर न हो। हमारे शास्त्र भी कहते हैं- 'यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रिया'। अर्थात जैसा हमारा चित्त हो, वैसी ही हमारी वाणी हो और जैसी हमारी वाणी हो, वैसा ही हमारा आचरण हो।

अग्नि, आह्लाद और आरोग्य : हवनावली होली का जीवन-दर्शन

डॉ. अजय आर्य

'हवनावली महोत्सव का रखा है होली नाम।
हवन यज्ञ के बदले जिसमें करते सारे उल्टे काम।'

यह पंक्ति केवल व्यंग्य नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विस्मृति पर गहरा प्रश्न है। जिस पर्व का मूल स्वरूप औषधीय, आध्यात्मिक और सामाजिक शुद्धि से जुड़ा था, वही आज अनेक स्थानों पर औपचारिक दहन, प्रदूषण और उच्छृंखलता का प्रतीक बनता जा रहा है। होली वस्तुत: ह्यहवनावलीह्न थी। सामूहिक अग्नि-अनुष्ठान की परम्परा, जिसमें अग्नि के माध्यम से शरीर, समाज और प्रकृति के परिमार्जन का प्रयत्न किया जाता था। परन्तु जब यज्ञ का विज्ञान विस्मृत हो जाता है और केवल बाह्य प्रदर्शन शेष रह जाता है, तब नाम और कर्म के बीच दूरी बढ़ जाती है।

वैदिक परम्परा में यज्ञ को सृष्टि-चक्र का आधार माना गया है। ऋग्वेद में अग्नि को ह्यपावकह्न कहा गया है— वह जो शुद्ध करती है, रूपांतरित करती है, साधारण को असाधारण बना देती है। अथर्ववेद में औषधियों और भैषज्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। अग्नि केवल द्रव्य को भस्म करने वाली शक्ति नहीं, बल्कि रूपान्तरण की प्रक्रिया है। जब नीम, गुग्गुल, देवदारु, तिल, जौ और अन्य औषधीय द्रव्य अग्नि में समर्पित किए जाते हैं, तो उनका सूक्ष्म तत्त्व वातावरण में फैलकर शुद्धि का कार्य करता है। आधुनिक शोध भी संकेत करते हैं कि कुछ विशिष्ट हवन-सामग्रियों से उत्पन्न धुआँ जीवाणुनाशक प्रभाव रख सकता है। आयुर्वेद में धूम्र-चिकित्सा तथा स्वर्ण भस्म, रजत भस्म जैसे धातु-भस्मों का प्रयोग आज भी प्रचलित है। धातु जब अग्नि में तपकर भस्म बनती है तो औषधि का रूप लेती है—यह अग्नि की सृजनात्मक शक्ति है, जो दहन के भीतर उपचार का बीज छिपाए रहती है।

वसंत ऋतु के आगमन पर शीत से उष्णता की ओर संक्रमण होता है। यह काल संक्रमणजन्य रोगों की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। संभव है कि इसी संदर्भ में सामूहिक भैषज्य-यज्ञ की परम्परा विकसित हुई हो—जहाँ गाँव या नगर के मध्य अग्नि प्रज्वलित कर औषधीय आहुति दी जाती थी। यह केवल धार्मिक कमर्काण्ड नहीं, बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य-संरक्षण और मनोबल-वृद्धि का सांस्कृतिक उपाय था। सामूहिक मंत्रोच्चार, अग्नि-दर्शन और सहभागिता से सामाजिक एकता तथा मानसिक संतुलन का भी विकास होता था। इस प्रकार होली का मूल स्वरूप बाह्य और आंतरिक दोनों प्रकार की शुद्धि का महोत्सव था।

प्रह्लाद की कथा इस यज्ञीय चेतना को प्रतीकात्मक आयाम देती है। ह्यप्रह्लादह्न शब्द का अर्थ है प्रचुर हर्ष, उत्कट आह्लाद। स्वस्थ मनुष्य के भीतर जो जीवन-उमंग रहती है, वही प्रह्लाद का तत्त्व है। जब शरीर स्वस्थ होता है तो दृष्टि में प्रकाश, वाणी में उत्साह और कर्म में ऊर्जा होती है; किंतु रोगग्रस्त होने पर वही जीवन निस्तेज हो जाता है। इस अर्थ में प्रह्लाद स्वस्थ चेतना, प्रतिरोधक क्षमता और आनंदित जीवन का प्रतीक है। इसके विपरीत होलिका को यदि रोग, विषाणु या विनाशकारी प्रवृत्ति का प्रतीक मानें तो कथा का भैषज्य-पाठ स्पष्ट हो उठता है। रोग भी प्रायः स्वयं को अजेय समझता है, जैसे होलिका को अग्नि में न जलने का वरदान था; किंतु जब यज्ञाग्नि प्रज्वलित होती है, जब उष्णता और ऊर्जा का संतुलित संचार होता है, तब वही रोगाणु नष्ट हो जाते हैं। नियंत्रित ऊष्मा अनेक सूक्ष्मजीवों का विनाश करती है। यह वैज्ञानिक तथ्य भी है और सांस्कृतिक प्रतीक भी।

कथा के अनुसार हिरण्यकशिपु ने स्वयं को ईश्वर घोषित कर प्रजा को अपनी पूजा के लिए बाध्य किया। अहंकार जब सत्ता का रूप ले लेता है तो सत्य का उच्चारण विद्रोह माना जाता है। किंतु बालक प्रह्लाद ने आस्था का पथ चुना। लोकप्रचलित प्रसंग कहता है कि उसने कुम्हार की भट्ठी में बिल्ली के शावक को सुरक्षित देखा और समझा कि ईश्वर की इच्छा से अग्नि भी संरक्षण कर सकती है। यह अनुभव उसकी श्रद्धा का आधार बना। उसे पवर्तों से गिराया गया, नदियों में डाला गया, हाथियों के सम्मुख छोड़ा गया; पर वह अक्षत रहा। लोकवाणी कहती है, ह्यजाको राखे साईंयाँ, मार सके न कोय ह्न यह विश्वास बताता है कि सत्य और जीवन-शक्ति का संरक्षण किसी गहन आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ा है।

अंततः होलिका दहन का प्रसंग आता है। वह प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठती है। जनसमूह प्रार्थना करता है, भय और आशा का वातावरण है। प्रातःकाल जब अग्नि शांत होती है तो प्रह्लाद सुरक्षित और होलिका भस्म पाई जाती है। यह दृश्य केवल भक्ति की विजय नहीं, बल्कि जीवन की अविजेयता का उद्घोष है। यदि होलिका रोग है तो प्रह्लाद प्रतिरोधक शक्ति है; यदि होलिका अहंकार है तो प्रह्लाद नम्र आस्था है। यज्ञाग्नि में औषधीय आहुति वातावरण को शुद्ध करती है, और आस्था की आहुति अंतर्मन को। दोनों का संगम ही होली का गूढ़ संदेश है।

प्रभात के उस उल्लास में अबीर-गुलाल उड़ाए गए, ढोल-नगाड़े बजे, तिलक-चंदन से प्रह्लाद का स्वागत हुआ। यह रंगोत्सव जीवन की पुनर्प्राप्ति का उत्सव था। परंपरागत रूप से पलाश के फूल, हल्दी, चंदन और प्राकृतिक रंगों का प्रयोग त्वचा और स्वास्थ्य के अनुकूल था। जब इनकी जगह रासायनिक रंगों ने ली और जब यज्ञ की औषधीय सामग्री के स्थान पर प्लास्टिक और विषैले पदार्थ जलाए जाने लगे, तब परम्परा का तत्त्व क्षीण होने लगा। ह्यबुरा न मानो होली हैह्न का वाक्य यदि मर्यादा-भंग का औचित्य बन जाए तो यह प्रह्लाद की नहीं, हिरण्यकशिपु की मानसिकता का संकेत होगा।

होली का वास्तविक संदेश दहन नहीं, रूपान्तरण है; उच्छृंखलता नहीं, उत्सव है; प्रदूषण नहीं, पवित्रीकरण है। आवश्यकता है कि हम इस पर्व को पुनः भैषज्य-यज्ञ की चेतना से जोड़ें। जहाँ अग्नि शुद्ध सामग्री से प्रज्वलित हो, जहाँ प्रकृति का संरक्षण हो, जहाँ रंग प्राकृतिक हों और जहाँ उत्सव समरसता का माध्यम बने। जब तक यह यज्ञीय चेतना जीवित रहेगी, तब तक प्रह्लाद का आह्लाद समाज में स्पंदित होता रहेगा और होली सचमुच हवनावली का पुनर्जन्म सिद्ध होगी। होली अग्नि, आस्था और आरोग्य का महोत्सव है।

(लेखक आर्य समाज के प्रतिष्ठित आचार्य एवं विद्वान है)

इन स्किल्स की बदौलत स्कूल स्टूडेंट्स कर सकते हैं अपने सक्सेसफुल करियर की शुरुआत

सक्सेसफुल करियर की चाह सभी रखते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उनके करियर की शुरुआत करने से पहले ही उन्हें कुछ खास स्किल्स सिखाएं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आप उन्हें करियर की शुरुआत में क्या-क्या सिखा सकती हैं, ताकि आगे जाकर उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का चलन काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चों को ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के बारे में बताना चाहिए। आने वाले समय में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल काफी बढ़ने वाला है। यह उनके फ्यूचर के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

ट्रेडिंग

शेयर मार्केट और ट्रेडिंग के क्षेत्र में भी काफी अवसर हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने बच्चों को इसके बारे में भी बता सकती हैं। आजकल लोग ट्रेडिंग करके हर महीने करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। ऐसे में आपको अपने बच्चों को शुरू से ही ट्रेडिंग की जानकारी देनी चाहिए। अगर आपके बच्चे को इस क्षेत्र में रुचि होगी, तो उन्हें इसका काफी फायदा होने वाला है।

डिजिटल स्किल्स

डिजिटल स्किल्सजैसे कि कोडिंग वगैरह के बारे में बच्चों को जरूर सिखाना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों का फ्यूचर सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उन्हें डिजिटल इकोसिस्टम से जुड़ी सारी चीजें जरूर बताएं। अगर जरूरी हो, तो उन्हें डिजिटल स्किल्स से जुड़ी चीजों को सीखने के लिए कोचिंग भी करवा सकती हैं।

डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स

कई लोग पैसे के कारण दूसरे शहर में जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। हालांकि अगर आपको पढ़ने की चाह है तो आपको कोई रोक नहीं सकता। जी हां, अगर आप अपनी शिक्षा को बेहतर बनाना चाहते हैं और कम फीस में स्किल्स सीखना चाहते हैं, तो जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के डिस्टेंस मोड के शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। इसे आप आसानी से कर सकते हैं।

डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्सेज

जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में केवल रेगुलर डिग्री कोर्सेज ही नहीं बल्कि डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स करने का भी मौका दे रहा है। ये कोर्स करने के बाद आप आसानी से काफी कुछ सीख सकते हैं। इन कोर्स की फीस भी बहुत कम होती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को काफी ज्यादा मदद मिल जाती है।

- डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स
- बैचलर ऑफ आर्ट्स
- बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ कॉमर्स
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन एजुकेशन
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इंग्लिश
- मास्टर ऑफ आर्ट्स ह्युमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिस्ट्री
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिंदी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स ज्योग्राफी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स पॉलिटिकल साइंस
- मास्टर ऑफ आर्ट्स उर्दू
- मास्टर ऑफ आर्ट्स सोशियोलॉजी
- मास्टर ऑफ कॉमर्स

बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर करियर बना सकती हैं महिलाएं

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट के लिए आवेदन करना चाहती हैं, तो बता दें कि इसके लिए महिलाओं की उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही 10वीं कक्षा पास होना चाहिए।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं और स्कीम निकाली जाती है। इसी में से एक है बीमा सखी महिला योजना। बता दें, कि एलआईसी के अंतर्गत बीमा सखी योजना के तहत 18 साल से अधिक आयु की महिलाओं को सुनहरा भविष्य बनाने का मौका मिल रहा है। हालांकि इसके लिए इच्छुक महिलाओं का 10वीं पास होना जरूरी है। आवेदन करने के बाद इन्हें स्पेशल ट्रेनिंग मुहैया कराई जाएगी। साथ ही 3 साल तक एलआईसी के द्वारा एक निश्चित मानदेय भी दिया जाएगा। अगर आप भी बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनना चाहती हैं, तो इस लेख में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, एजेंट बनने के लिए आवेदक के पास कौन सी योग्यता होनी चाहिए।

बीमा सखी महिला एजेंट को कितना मिलेगा वेतन भत्ता?

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर अपना करियर बना सकती हैं। इस योजना के लिए महिलाओं की उम्र 18 साल से 70 साल होनी चाहिए। इस पद के लिए आवेदन करने वाली युवतियों के पास 10वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है, जिन्हें विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना से जुड़ी महिलाओं को हर महीने एलआईसी द्वारा 7 हजार रुपये दिए जाएंगे। बता दें कि यह वेतन भत्ता 3 साल तक दिया जाएगा। पहले वर्ष 7 हजार, दूसरे साल 6 और तीसरे वर्ष 5 हजार रुपये महीना सैलरी दी जाएगी।

काम के साथ मिलेगा कमीशन

इस योजना के तहत जुड़ने वाली महिलाओं को अपने किए गए कार्य के हिसाब से कमीशन भी मिलेगा। बीमा सखी महिला एजेंट को पहले साल में 24 लोगों का बीमा करवाना होगा। इस पर उन्हें कम से कम 40-50 हजार रुपये साल की कमीशन मिल सकता है। वहीं बात करें दूसरे साल की तो इस वर्ष पहले साल का 65 प्रतिशत पॉलिसी करने पर कमीशन दिया जाएगा। यहीं क्रम तीसरे साल भी लागू रहेगा।

जरूरी दस्तावेज

- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटो
- निवास प्रमाण जैसे- राशन कार्ड, बिजली बिल या पानी का बिल।
- शैक्षिक प्रमाणपत्र कम से कम 10वीं कक्षा तक की शिक्षा।
- बैंक खाता विवरण
- स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

कैसे बना सकते हैं करियर?

- LIC की तरफ से बीमा सखी को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें उन्हें बीमा उत्पादों, बिक्री रणनीतियों, ग्राहक से बात करने, और डॉक्यूमेंट की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाती है।
- बीमा सखी के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए LIC से आवेदन करना होगा।
- एजेंट बनने के बाद, आपको विभिन्न बीमा स्कीम को ग्राहकों को समझाना होगा।

विदेश में रहते हैं तो इन तरीकों से बढ़ाएं अपने कम्युनिकेशन स्किल्स

विदेश जाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है कम्युनिकेशन की। किसी और देश के कल्चर के हिसाब से भाषा सीखना थोड़ा पेचीदा हो सकता है।

अधिकतर भारतीयों को इंग्लिश बचपन से ही सिखाई जाती है, लेकिन अगर इसे आप यूके या फिर अमेरिका में बोलेंगे, तो भी कम्युनिकेशन गैप आएगा ही। किसी नए देश में जाकर ठीक से कम्युनिकेट करने में बहुत ज्यादा दिक्कत होती है। यह समझने में समय लगता है कि किसी अन्य देश में आप सही कम्युनिकेशन कैसे करें। अगर यूरोप, थाईलैंड जैसे किसी देश में गए हैं, तो वहां की भाषा सीखने और सही कम्युनिकेट करने में समय लगता है।

बोलने से ज्यादा सुनने की कोशिश करें

कम्युनिकेशन स्किल बेहतर बनाने के लिए आपको पहले एक अच्छा लिसनर बनना होगा। लोगों को यह अच्छा लगता है कि उन्हें सुना जाए। ऐसे में आप किसी और देश में हैं, तो लोगों के हाव-भाव को समझें और उनकी बातों को सुनने की कोशिश करें। खुद से ही उनके सवालों के जवाब ढूंढने की जगह पहले उन्हें ठीक से सवाल पूछने दें। कई बार हम एंग्जाइटी में ही बोल जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना है। जब भी आप किसी से फोन पर बात कर रहे हैं, तो टेक्स्ट मैसेज का जवाब देना, ईमेल करना आदि बहुत खराब होता है। ऐसे में आपके कम्युनिकेशन स्किल कभी बेहतर नहीं हो पाएंगे। विदेशों में इस तरह की चीज को असभ्य माना जाता है। सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करें कई बार हम अगर किसी अन्य नेशनालिटी के व्यक्ति से बात करते हैं, तो हम बहुत ही कॉन्शियस हो जाते हैं। यह कई बार अशिष्ट लगता है। कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बनाने का यह एक बहुत सही तरीका है कि आप अपने व्यवहार को बेहतर बनाएं।

बॉडी लैंग्वेज ऑफेंसिव ना रखें

कई बार हम किसी वेटर या फिर किसी सब्जी बेचने वाले से भारत में बहुत रूड तरह से बात करते हैं। बाहरी देशों में प्लंबर, कारपेंटर, वेजिटेबल वेंडर, वेटर और ऐसे सभी काम स्किल्ड लेबर में आते हैं। चाहे भारत हो या कहीं और आपको हर काम की इज्जत करनी चाहिए और अपने व्यवहार और बॉडी लैंग्वेज को ऑफेंसिव नहीं रखना चाहिए।

धीमे बोलें, लेकिन फैक्ट्स का ध्यान रखें

कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर बनाने के लिए फैक्ट्स का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। आपको ध्यान से बोलना होगा और सही बोलना होगा। हम कई बार अपनी तारीफ के चक्कर में कुछ एक्स्ट्रा ही बोल जाते हैं। ऐसा नहीं करना है। ऐसा करने से आपके साथ समस्या बढ़ेगी।

पॉजिटिव बोलें और स्माइल का ध्यान रखें

अगर आपको किसी को इम्प्रेस करना है, तो स्माइल से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता है। ऐसे में आप हमेशा पॉजिटिव रहें और स्माइल करते रहें। गर्मजोशी से हाथ मिलाएं और फिर आगे बढ़ें। कई बार फर्स्ट इम्प्रेशन ही इससे बहुत अच्छा पड़ता है।

ज्यादा लंबे टेक्स्ट या ईमेल ना करें

हिंदुस्तान में कॉर्पोरेट ईमेल्स भी बहुत लंबे होते हैं पर यह सही तरीका नहीं है। मेल पर सिर्फ प्वाइंटर आदि होने चाहिए और बाकी चीजों के लिए कॉल या फेस टू फेस कंवर्जेशन ज्यादा बेहतर है। कई बार हम इसे अवॉइड करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं है। इससे यह दिखता है कि आप एक अच्छे स्पीकर या लिसनर नहीं हैं।

लिखने से पहले पढ़ जरूर लें

कम्युनिकेशन का एक अहम नियम है। आप कुछ भी गलत ना बोले ना ही लिखें। आप कोई मेल या टेक्स्ट कर रहे हैं, तो उसे ठीक से पढ़ लें। अगर टेक्स्ट या ईमेल में कोई गलती जाती है, तो लोगों पर आपका इम्प्रेशन सही नहीं पड़ेगा। लिखने के बाद पढ़ने की आदत आपको एम्बैरेस्मेंट से बचा सकती है।

अली अब्बास जफर ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग, अहान पांडे निभाएंगे लीड रोल

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपनी नई एक्शन-रोमांस फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। यह एक्टर निभाएगा लीड रोल अली अब्बास जफर की इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में अहान पांडे नजर आएंगे, जिनकी पिछली फिल्म सैयारा ने जबरदस्त सफलता हासिल की थी। यह अहान की दूसरी बॉलीवुड फिल्म होगी। फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल मुंबई में लगभग एक महीने तक चलेगा। सोमवार को अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान के साथ एक तस्वीर शेयर कर शूटिंग की शुरुआत का ऐलान किया। तस्वीर में अहान ब्लैक आउटफिट और लेदर जैकेट में काफी डैपर नजर आए, वहीं अली अब्बास जफर भी ऑल-ब्लैक लुक के साथ ब्राउन जैकेट में दिखे। यह फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

शरवरी होंगी फीमेल लीड

इस फिल्म में अहान के अपोजिट शरवरी नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई 2026 में फिल्म की टीम लंदन शेड्यूल के लिए रवाना होगी, जहां एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग पांच दिनों तक चलेगी। बताया जा रहा है कि अहान ने इस फिल्म के लिए कड़ी तैयारी की है, जिसमें हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हथियारों की ट्रेनिंग शामिल है। यह फिल्म उन्हें 'सैयारा' से बिल्कुल अलग अवतार में पेश करेगी। निर्माता जुलाई 2026 तक फिल्म की शूटिंग पूरी करने की योजना बना रहे हैं और इसे 2027 की शुरुआत में रिलीज करने का लक्ष्य है। वहीं खबरें यह भी हैं कि ऐश्वर्य ठाकरे, जिन्होंने 'निशांची' से बॉलीवुड डेब्यू किया था, इस फिल्म में विलेन की भूमिका निभा सकते हैं।

मैं सफल अभिनेत्री नहीं हूं, डंकी जैसी फिल्म मुझे मिलना मुश्किल है

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' के लिए इन दिनों खूब तारीफें बटोर रही हैं। फिल्म को क्रिटिक्स ने काफी पसंद किया है और एक्टिंग की भी तारीफ हो रही है। तापसी अक्सर गंभीर मुद्दों पर आधारित फिल्में करती हैं। इसीलिए तापसी का मानना है कि 'डंकी' जैसी फिल्म उन्हें मिलना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने 'डंकी' को अपनी फिल्मोग्राफी में एक तोहफा बताया है।

'डंकी' दस साल का तोहफा है

बातचीत में तापसी पन्नू से जब पूछा गया कि 'डंकी' जैसी कमर्शियल फिल्म करने के बाद 'अस्सी' जैसी गंभीर और मुद्दे वाली फिल्म करने की प्रेरणा कहां से मिलती है? इस पर अभिनेत्री ने कहा कि 'डंकी' जैसी फिल्म मेरे जैसी अभिनेत्री के लिए मिलना मुश्किल है, क्योंकि मैं कोई कमर्शियल, मेनस्ट्रीम या सफल हीरोइन नहीं हूं। मुझे यह रोल इसलिए मिला क्योंकि शायद उस रोल के लिए मुझ जैसी एक्ट्रेस की जरूरत थी। मुझे यही बताया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने 'अस्सी' और 'गांधारी' जैसी फिल्में पहले की हैं। इन्हीं फिल्मों ने मुझे इंडस्ट्री में अपनी जगह और पहचान दिलाई है। तो, यही मेरी सच्चाई है। 'डंकी' इन 10 साल के लिए मिला एक तोहफा है।

मैं अपने इस दर्शक वर्ग से खुश हूं

आगे 'डंकी' जैसी कमर्शियल फिल्म मिलने के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे दूसरी फिल्म मिलने में कितना समय लगेगा। यह एक संघर्ष है क्योंकि उन्हें अभी भी इस बात को स्वीकार करना है कि, 'हमें उसे पूरी तरह से सजे-धजे रूप में दिखाना होगा।' मैंने अपने करियर की शुरुआत दक्षिण में बड़े पैमाने पर बनी फिल्मों से की। मैंने अपने हिंदी करियर की शुरुआत डेविड धवन के साथ की। इससे ज्यादा कमर्शियल और बोल्ड फिल्म और क्या हो सकती है। फिर मैंने अनुभव सिन्हा और अनुराग कश्यप के साथ काम किया है। निर्देशकों का चुनाव बहुत ही अनोखा होता है। मैं यह कर सकती हूं और वह कर सकती हूं। मुझे पता है कि किस चीज ने मुझे एक खास दर्शक वर्ग दिलाया। भले ही वह छोटा हो, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने उन लोगों का विश्वास जीता है। हर अभिनेत्री को यह सौभाग्य नहीं मिलता। इसलिए, यह मेरा अपना क्षेत्र है।

राजकुमार हिरानी ने किया है 'डंकी' का निर्देशन

राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित 'डंकी' एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो इल्लीगल इमिग्रेशन टेक्निक 'डंकी फ्लाइट' पर आधारित है। फिल्म में शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई है, उनके साथ तापसी, बोमन ईरानी, अनिल ग्रोवर और विक्रम कोचर भी हैं। विक्की कौशल ने फिल्म में कैमियो किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

एक्यूज्ड पर कोंकणा शर्मा बोलीं, अनकही कहानियों को सामने लाना जरूरी

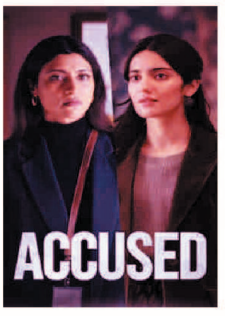

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म 'एक्यूज्ड' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि अनकही और कम सुनी जाने वाली कहानियों को सामने लाना जरूरी है। 'एक्यूज्ड' कार्यस्थल पर महिलाओं की पावर डायनामिक्स, यौन उत्पीड़न के आरोपों और मानवीय रिश्तों की जटिलताओं को गहराई से उजागर करती है। कोंकणा का मानना है कि ऐसी कहानियां बताना इसलिए जरूरी है क्योंकि समाज को हर पहलू देखना चाहिए। यह फिल्म न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि दर्शकों के सोचने के तरीके को चुनौती भी देती है। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। 'एक्यूज्ड' एक ऐसी महिला की कहानी है, जिस पर कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। कोंकणा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह स्क्रिप्ट आम धारणा को पूरी तरह पलट देती है। उन्होंने बताया, 'हम ज्यादातर समय महिलाओं को पीड़ित या सर्वाइवर के रूप में देखते हैं, आरोपी के रूप में बहुत कम। आंकड़ों के अनुसार अपराध ज्यादातर पुरुष करते हैं, यह सच है लेकिन महिलाएं भी ऐसा कर सकती हैं और ऐसा होता भी है।'

कोंकणा ने आगे कहा कि इस फिल्म का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह उन अनकही कहानियों पर प्रकाश डालती है, जिन्हें हम आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म में कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच पावर डायनामिक्स, दो महिलाओं के रिश्ते में सत्ता का खेल और उम्र का बड़ा अंतर दिखाया गया है। यह एक ऐसी कहानी है जो सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाती है। यहां आरोपी महिला है और पीड़ित भी महिला। दोनों के बीच उम्र का फर्क, नौकरी का स्वरूप और रिश्ते की जटिलता ये सब चीजें हैं, जो दर्शकों के सामने हमारे पूर्वाग्रहों को लाती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जब कोई महिला पर शोषण का आरोप लगाता है, तो समाज में उस पर विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। खासकर जब आरोपी की स्थिति मजबूत हो और रिश्ते में असमानता हो। कोंकणा ने कहा, 'यह फिल्म दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि हमारा व्यवहार कैसे काम करता है। यह कोई ब्लैक या व्हाइट नहीं, बल्कि ग्रे सेक्टर की कहानी है। कोई किरदार पूरी तरह पसंद करने लायक नहीं है और यही इसे वास्तविक बनाता है।'

सोशल मीडिया नेगेटिविटी से कैसे निपटती हैं सामंथा रुथ प्रभु?

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही फिल्म 'मां इंटी बंगारम' में नजर आने वाली हैं। इस बीच उन्होंने बताया है कि वह सोशल मीडिया नेगेटिविटी से कैसे निपटती हैं। उन्होंने ऑनलाइन ट्रोल्स से निपटने के लिए एक शांत तरीका बताया है। इंस्टाग्राम पर सवाल-जवाब सेशन के दौरान एक्ट्रेस ने फैंस के कई सवालों के जवाब दिए।

सोशल मीडिया नेगेटिविटी से बचने का बताया उपाय

एक फैन ने सामंथा से पूछा, 'सोशल मीडिया पर पॉजिटिव या नेगेटिव कमेंट्स पढ़कर आपको कैसा लगता है?' इसके जवाब में, सामंथा ने कहा 'तारीफ मुझे इमोशनल नहीं करती। ट्रोल्स भी नहीं करते। लेकिन अगर आप मेरे घर में नेगेटिविटी लाते हैं, तो मैं आपको ब्लॉक कर दूंगी। जैसे मैं अपनी जगह को साफ रखती हूं, वैसे ही मैं इस पेज को भी साफ रखती हूं। ब्लॉक होने का मतलब यह नहीं है कि आपने मुझ पर असर डाला है। इसका मतलब सिर्फ यह है कि आपका यहां वैलकम नहीं है।'

FOMO से कैसे बचती हैं सामंथा?

सामंथा ने सोशल मीडिया से होने वाले 'FOMO' (कुछ छूट जाने का डर) से अपनी मुश्किलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा 'मैं राज निदिमोरू से कह रही थी कि जब मैं बच्ची थी, तो मैं पढ़ाई के लिए एक टाइमटेबल बनाती थी और उसे फॉलो करती थी। कोई ध्यान भटकाने वाली चीज नहीं थी। रील्स से FOMO बनता है। इसलिए मैं इंस्टाग्राम लॉक कर देती हूं। बड़ी किताबें, एक घंटे के पॉडकास्ट की प्रैक्टिस करती हूं।'

सामंथा का वर्कफ्रंट

इस बीच, सामंथा ने अपनी अगली फिल्म, 'मां इंति बंगारम' की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। यह 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को राज निदिमोरू, सामंथा और हिमांक दुव्वुरु ने प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। सामंथा ने सोशल मीडिया पर इसका पोस्टर जारी किया है।

कॉमेडी और इमोशन के दो छोर पर खड़ीं संदीपा धर 'चुंबक' और 'दो दीवाने सहर में' ने बदला अभिनय सफर

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में एक कलाकार की पहचान उसके प्रोजेक्ट्स के सेलेक्शन से बनती है। ऐसे में अगर कलाकार अलग-अलग जॉनर में खुद को आजमाने का रिस्क उठाए, तो उसका सफर और भी दिलचस्प हो जाता है। इन दिनों एक्ट्रेस संदीपा धर अपने दो बिल्कुल अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह आने वाले शो 'चुंबक' में हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में उनका किरदार नैना दर्शकों को इमोशनल कर रहा है।

इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक कलाकार के रूप में चुनौतियां दीं। आईएएनएस से बात करते हुए संदीपा 'चुंबक' को लेकर बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फैमिली कॉमेडी है, जिसे हर उम्र का दर्शक साथ बैठकर देख सकता है। उन्होंने कहा, ''आज के दौर में कंटेंट अक्सर बोल्ड देखने को मिलता है, लेकिन 'चुंबक' रिश्तों की गर्माहट को महसूस करने की कोशिश करता है। इसमें किसी तरह की भद्दी कॉमेडी या असहज करने वाले जोक्स नहीं हैं। कहानी पड़ोसियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लोग एक-दूसरे के घर बेझिझक आते-जाते हैं, साथ खाना खाते हैं, जिससे रिश्ते अपनेपन वाले बनते थे।''

संदीपा मानती हैं कि आज के समय में यह पड़ोस कल्चर लगभग खत्म हो चुका है और 'चुंबक' उसी खोए हुए अपनापन को वापस लाने की कोशिश है। संदीपा के लिए कॉमेडी का अनुभव नया है। इस पर उन्होंने कहा, ''कॉमेडी जितनी सहज दिखती है, उतनी होती नहीं है। टाइमिंग, रिएक्शन और सिचुएशनल ह्यूमर को पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें रिस्क और सटीकता बेहद जरूरी है। लेकिन अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। सेट पर हल्के-फुल्के माहौल और टीम के सपोर्ट ने इस जॉनर को समझने में मेरी काफी मदद की है। नीना गुप्ता, सुमित राघवन, सुमित व्यास और देवेन भोजानी जैसे कलाकारों के साथ शूटिंग करना किसी एक्टिंग स्कूल से कम नहीं है। सेट पर कोई सीनियर-जूनियर नहीं है, सब दोस्त जैसे हैं और माहौल पूरी तरह फैमिलियर हो चुका है। अब जैसे-जैसे शूटिंग खत्म होने को है, तो सभी के मन में एक अजीब-सी उदासी महसूस हो रही है।''

संदीपा के लिए इसके बिल्कुल उलट 'दो दीवाने सहर में' का अनुभव भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने नैना नाम की लड़की का किरदार निभाया। फिल्म में उनकी स्क्रीन टाइमिंग कम थी, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने कहानी में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। संदीपा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। फिल्म में मेरे सीन कम थे और मेरा नैना का किरदार बेहद गहराई वाला था। सीमित सीन्स में किसी किरदार की पूरी मानसिक स्थिति दिखाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। नैना बाहर से एकदम परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से वह अकेली, उलझी और टूटी हुई है। इस दोहरेपन को पर्दे पर उतारना मेरे लिए किसी परीक्षा की तरह था।''

उन्होंने आगे कहा, ''फिल्म में ब्रेकडाउन सीन मेरे लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि इसमें सिर्फ मैं ही थी और पूरा भावनात्मक बोझ मुझ पर ही था। मैं ग्लिसरीन का इस्तेमाल नहीं करती, इसलिए हर टेक में असली इमोशन्स लाना शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला था। गर्मी में मुंबई की पीक समर के दौरान शूटिंग करना भी मुश्किलें बढ़ाता है, लेकिन जब पूरी टीम का साथ मिलता है, तो मुश्किलें भी यादगार बन जाती हैं।''

होली त्योहार: वरिष्ठ नागरिक महासंघ ने नशा मुक्ति अभियान का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ द्वारा समाज को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने एवं स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया। सियान सदन वैशाली नगर भिलाई में शनिवार को आयोजित संगोष्ठी में महासंघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एकजुट होकर नशा के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने का निर्णय लिया। होली आदि त्योहारों पर नशाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सभी वरिष्ठ जनों ने इस होली में हर तरह की नशा, अश्लीलता एवं सामाजिक बुराइयों को जलाने का संकल्प लिया।

नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो के संदेश के साथ जनजागरूकता अभियान शुरू

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि नशा सामाजिक अभिशाप है और समाज के लिए गंभीर समस्या बन गया है, जो विशेष रूप से युवाओं के चरित्र एवं भविष्य को प्रभावित कर रहा है। नशा के कारण परिवार एवं समाज में आएदिन लड़ाई-झगड़े, हत्या, लूटपाट एवं बलात्कार जैसे अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। जिन युवाओं के हाथों में किताब, हुनर और सुनहरे भविष्य का सपना होना चाहिए था, वहां नशे का जहर पहुंच रहा है। नशा केवल एक आदत ही नहीं है, बल्कि यह धीरे-धीरे जीवन, परिवार, स्वास्थ्य और भविष्य को खत्म करने वाली एक खामोश बीमारी है।

इसे रोकने के लिए समाज के हर वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। वरिष्ठ नागरिकों का अनुभव और मार्गदर्शन इस दिशा में महत्वपूर्ण एवं सार्थक भूमिका निभा सकता है। संगोष्ठी में राधेश्याम प्रसाद, गंगाचरण पुरोहित, राजपाल सिंह राघव, चन्द्रभान दिन्डे, धानेश्वर निर्मल आदि वक्ताओं ने नशे की लत से होने वाले नुकसान तथा परिवार एवं समाज में इसके दुष्प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त कर इसे रोकने हेतु अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वरिष्ठ जनों ने कहा कि हम स्वयं पहल कर समाज में आदर्श स्थापित करेंगे।

इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर रैली, जनसंवाद, विचार गोष्ठी, जागरूकता कार्यक्रम एवं नशा विरोधी नारे आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में ह्लनशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ोह्व, "नशा है बीमारी, इससे दूरी है समझदारी", "नशा मुक्त समाजझ्रहमारा संकल्प" जैसे अनेक प्रेरक नारे लिखे हुए तख्तियों के साथ लोगों को नशा छोड़ने और दूसरों को भी प्रेरित करने का संदेश दिया गया। नशे की लत में डूबे युवाओं को समझाइश देने, उनका ड्रग्स का लत छुड़ाने नशामुक्ति केंद्र, विशेषज्ञों एवं मनोचिकित्सकों आदि का भी सहयोग लिया जाएगा।

इस अवसर पर महासंघ के कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता, वरिष्ठ नागरिक एकता मंच वैशाली नगर अध्यक्ष राधेश्याम प्रसाद प्रसाद, धानेश्वर कुमार निर्मल, माखनलाल टंडन, गंगाचरण पुरोहित, राजपाल सिंह राघव, चन्द्रभान दिन्डे, रमैशचन्द्र बटघरे, शंकर शेन्डे, सोमाराम भोगाड़े, डी.ए. करमरकर, के.एल. रवाबानी, घनश्याम यादव, जोसफ, देवेन्द्र कुमार चौहान, एम.एल. गोपाल, रामाधार वर्मा, माखनलाल टंडन, सुरेन्द्र राय, आदि वरिष्ठ नागरिक गण उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन दिनेश कुमार गुप्ता ने किया। महासंघ के पदाधिकारियों ने आमजनों से अपील की कि वे नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार और समाज को सुरक्षित एवं स्वस्थ बनाने में सहयोग करें।

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएं कारगर - विधायक चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कृषक उन्नति योजना के तहत प्रदेश के 24.28 लाख किसानों को आदान सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। विकासखण्ड बिल्हा जिला बिलासपुर से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा कुल 10,324.84 करोड़ की राशि डीबीटी माध्यम से किसानों को प्रदान की गई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी जिलों में किया गया तथा मुख्यमंत्री हितग्राहियों से संवाद भी किए।

जिले में दुर्ग, धमधा और पाटन विकासखण्डों में कार्यक्रम आयोजन किया गया। कृषक उन्नति योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिले के कुल 1,06,830 कृषकों को लगभग 407.89 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की गई। इसमें विकासखण्ड दुर्ग के 25,057 किसानों को 8,703.03 लाख रूपए, पाटन के 44,122 किसानों को 16,995.87 लाख रूपए तथा धमधा के 37,651 किसानों को 15,090.54 लाख रूपए की राशि शामिल है।

दुर्ग विकासखण्ड के विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपाध्यक्ष छ.ग.राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण व विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कृषक उन्नति योजना को सम्बोधित करते हुए उपाध्यक्ष छ.ग.राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण व विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों के लिए यह खुशी और गर्व का अवसर है। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत बड़ी पहल की गई है। केन्द्र व राज्य सरकार ने किसानों से किया गया वादा पूरा कर रही है और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। आधुनिक तकनीक और नई-नई कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसान परंपरागत खेती से आगे बढ़कर आधुनिक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

किसानों को मोबाइल और अन्य माध्यमों से मौसम और वर्षा की जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे वे अपनी खेती का कार्य योजनाबद्ध तरीके से करते हैं। राज्य सरकार द्वारा उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही भूमिहीन किसानों को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। आज पूरे छत्तीसगढ़ में किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से राशि ट्रांसफर की जा रही है। इसे प्रदेश के किसानों के लिए एक बड़ी उपलब्धि और सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। भारत की 70 से 80 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि से जुड़ी हुई है। किसान ही वह वर्ग है जो पूरे विश्व को अन्न उपलब्ध कराता है। इसलिए किसान को धरती का भगवान कहा जाता है। राज्य सरकार द्वारा हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

जिले के 10 कृषकों को प्रमाण-पत्र देकर किया गया सम्मान

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भी कृषक उन्नति योजना के तहत जिले के किसानों के खाते में अंतरित की गई राशि पर किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और इसकी पहचान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुई। आज इसकी गूंज पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है।

इस अवसर पर कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत निपानी के मुकेश सिंह ठाकुर, रीवागहन(अ) के रमेश कुमार साहू व शंभूराम साहू, बटरेल के चम्पेश्वर साहू व भोकलु राम साहू, कौही के जीवनलाल सोनकर, तर्रा के कमलेश चंद्राकर, औरी से केवल चंद्राकर व संदीप चंद्राकर एवं पचपेडी से महेन्द्र चंद्राकर को उत्कृष्ट कृषि गतिविधियों एवं योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उप संचालक संदीप भोई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इसी प्रकार विकासखण्ड पाटन के डॉ.खूबचंद बघेल भवन में लोकसभा सांसद विजय बघेल, विकासखण्ड धमधा के मंगल भवन बानबरद अहिवारा में अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी व श्रीमती सिल्ली थॉमस, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती श्रद्धा साहू व सुश्री प्रिया साहू, जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर पार्षद नीलेश अग्रवाल देवनारायण चंद्राकर सरिता चंद्राकर शशि साहू विनायक ताम्रकार फलेंद्र सिंह राजपूत विनोद चंद्राकर, तेखन सिन्हा मनोज सोनी नारायणन साहू उप संचालक कृषि संदीप भोई, जिला सहकारी बैंक सीईओ सुनील वर्मा सहित बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

रंगभरी एकादशी : बरसाना की तर्ज पर लठमार होली

गोपियों ने बिखेरे रंग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

श्री गहिरा गुरु धाम यादव सांस्कृतिक भवन, वार्ड क्रमांक 24 में रंगभरी एकादशी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गोवर्धनधारी जगतगुरु भगवान श्री कृष्ण की पूजा-अचर्ना से हुई। इसके पश्चात गोपीकाओं और ग्वालिनों ने बरसाना की परंपरा के अनुरूप लठमार होली खेलकर वातावरण को भक्तिमय और रंगमय बना दिया।

कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्णा भगवान मंदिर अहीर समाज रायपुरा ट्रस्ट के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती करूणा यादव, कोषाध्यक्ष श्रीमती वर्षा ऋतु यादव, सहसचिव श्रीमती त्रिवेणी यादव सहित श्रीमती मीना यादव, श्रीमती मंजूषा यादव, श्रीमती लीला यादव, श्रीमती प्रभा यादव, श्रीमती सरोज यादव, श्रीमती ज्योति यादव एवं श्रीमती रजनी यादव सहित अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आधुनिक साउंड सिस्टम की धुन पर गुलाल उड़ाते हुए और पारंपरिक लठ के साथ ग्वालिनों एवं गोपीकाओं ने उत्साहपूर्वक लठमार होली खेली। पूरे परिसर में भक्ति गीतों, रंगों और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजकों ने बताया कि रंगभरी एकादशी भगवान श्री कृष्ण और राधा के मिलन का प्रतीक पर्व है, जिसे हर वर्ष समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं।

जिस घर में माता-पिता का अपमान होता है वहाँ धर्म व प्रभु का वास नहीं होता- आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ के अतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक स्थल सिलयारी धाम के आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री चाय वाले बाबा का ज्ञान यज्ञ इन दिनों चंडी मंदिर शिव पारा में चल रही है। 21 फरवरी से 1 मार्च तक आयोजित इस कथा में लोगों के भूत और भविष्य को एक मुट्ठी चावल और जसवंत के लाल फूल से बतायी जाती हैं।

कथा में उमड़ रही भीड़ इस बात का प्रमाण है कि लोग अपनी परेशानियों को दूर करने के लिए इस धार्मिक आयोजन में भाग ले रहे हैं। चाय वाले बाबा, जिनका नाम सुनते ही लोगों के मन में विश्वास और श्रद्धा का संचार होता है, हर दिन सैकडों की संख्या में श्रद्धालुओं को अपने अद्भुत अनुभवों से चमत्कृत कर रहे हैं।

वे विशेष रूप से लोगों की तकलीफों को दूर करने में मदद कर रहे है. जिसके कारण हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक रहता है।

आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री जी ने बताया कि कलयुग का प्रभाव ये है कि लोग गौ सेवा नहीं हो रही है, मां-बाप की सेवा नहीं हो रही है, मा-बाप को मंदिर नही ले जाते है, परंतु कुत्ते को घुमाने ले जाते है, ऐसे में कैसे सनातन की रक्षा होगी। शास्त्री जी ने दान की महिमा बताते हुए बताया कि जीवन में दान करते रहना चाहिए दान के बिना जीवन में कोई सार नहीं है दुनियां में सबसे बड़ा दानी कर्ण है जिसने श्री कृष्ण को अपने घर के चौखट एवं बिस्तर की चंदन लकड़ी भेट कर दी। कौरव व पाण्डव दोनों के पक्ष में धर्म के अवतार थे पाण्डवो के पक्ष में युधिष्ठिर व कौरव के पक्ष में विधुर धर्म के अवतार थे, परंतु कौरव के पक्ष में हमेशा धर्म का अपमान होता था घर में माता-पिता का अपमान होता था ऐसे घर में कभी धर्म का और प्रभु का वास नही हो सकता है, तो निश्चित पतन प्रारंभ हो जाता है। मनुष्य को अपने कर्मो पर अधिक ध्यान देना चाहिए, कर्म अच्छा है तो धन भी अच्छे रास्ते में लगेगा, सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए और भोजना हमेशा आराम से चबाकर करना चाहिए।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भक्तों को धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ जीवन के सही मार्ग पर चलने के प्रेरणा देने के उद्देश्य से किया गया है। इस आयोजन ने क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार किया है, और इसके माध्यम से हर व्यक्ति अपनी परेशानियों से निजात पाने की उम्मीदें लेकर कथा स्थल पर पहुंच रहा है। आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री जी की कथा में गूंजते भक्ति भाव व चमत्कारी आशीर्वाद ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया है। धार्मिक श्रद्धा और विश्वास से भरा यह आयोजन चंडी मंदिर शिव पारा में 1 मार्च तक जारी रहेगा, और भक्तों का जन सैलाब इसी तरह बढ़ता रहेगा।

शिवाजी जयंती :छग प्रदेश कूर्मी क्षत्रिय समाज का भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / गुण्डरदेही

में छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा शिवाजी जयंती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम छत्रपति शिवाजी महाराज के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विजय बघेल (अध्यक्ष, प्रदेश कूर्मी क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ एवं सांसद, लोकसभा दुर्ग) ने जनप्रतिनिधियों एवं समाज के वरिष्ठजनों को शाल, श्रीफल एवं शिवाजी महाराज की फोटो फ्रेम भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेन्द्र देशमुख (अध्यक्ष, प्रदेश कूर्मी क्षत्रिय समाज जिला बालोद) ने की।

विशिष्ट अतिथियों में गुरुदेव वीरेन्द्र, चेतन देशमुख (अध्यक्ष भाजपा बालोद), तारिणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, पुरुषोत्तम चंद्राकर, अशोक भारतीय, रीना देशमुख सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। वार्षिक सम्मेलन के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विकास, शिक्षा और संगठन की मजबूती पर विस्तृत चर्चा की गई। अपने उद्बोधन में मुख्य

अतिथि विजय बघेल ने कहा कि 19 फरवरी 1630 को जन्मे छत्रपति शिवाजी महाराज अदम्य इच्छाशक्ति के प्रतीक थे। 3 अप्रैल 1680 तक के अपने जीवनकाल में उन्होंने मात्र 50 वर्ष की आयु में ऐसा कार्य किया जो सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने समाज को संगठित होकर वीरता, सेवा और राष्ट्रहित की भावना से कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कूर्मी समाज को सर्वशक्तिमान एवं संगठित बनाने में बालोद जिला अग्रणी भूमिका निभा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि आज समाज के युवा राजनीति एवं सामाजिक सेवा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जो जागरूकता का प्रमाण है। उन्होंने उल्लेख किया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल भी कूर्मी समाज से जुड़े रहे हैं, जिनकी राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में देवेन्द्र देशमुख, गोपेश्वर देशमुख, संतोष देशमुख, मिथलू देशमुख, यशवंत देशमुख, प्रीतम देशमुख, अनिल देशमुख सहित कूर्मी समाज के सैकड़ों गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन उत्साह, गौरव एवं सामाजिक एकता के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई-3 में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-3

डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई-3 में पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती अश्विनी महाजन ने की। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. श्रीमती अनुपमा अस्थाना (क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक), भूपेन्द्र कुलदीप, विपिन चंद्राकर (सांसद प्रतिनिधि), गौरीशंकर, बालमुकुंद वर्मा, तुलसी ध्रुव, श्याम सुंदर जायसवाल, परमजीत सिंह, धीरेन्द्र प्रसाद, वीरेन्द्र गढ़वाल एवं अभिषेक शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं राजकीय गीत के साथ किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अश्विनी महाजन ने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई देते हुए निरंतर प्रगति की कामना की। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने अपने

संबोधन में कहा कि वर्ष 1983 में महाविद्यालय की शुरुआत लगभग सवा सौ विद्यार्थियों से हुई थी और अनेक उतार-चढ़ाव के बाद आज यहां हजारों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में निजी महाविद्यालयों की अधिकता के बावजूद यह शासकीय संस्था कम संसाधनों में भी सुचारू रूप से संचालित हो रही है, जो गर्व का विषय है।

उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि वार्षिकोत्सव जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज के युग में ज्ञान-विज्ञान की नई-नई बातें सामने आ रही हैं, ऐसे में आप सभी विद्यार्थी देश के उज्ज्वल भविष्य हैं, उन्होंने कहा। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसने सभी का मन मोह लिया। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पालकगण, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्कूल में आते हैं तो हमें अपना बचपन याद आ जाता है-सांसद बघेल

भिलाई-3। पीएम श्री शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला, बिजली नगर भिलाई-3, संकुल भिलाई-3, विकासखंड पाटन, जिला दुर्ग में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद थे। विशेष अतिथि के रूप में उपकरण चंद्राकर (प्रदेश महामंत्री, पिछड़ा वर्ग मोर्चा भाजपा) एवं तुलसी धुर्व उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्बोधन में सांसद विजय बघेल ने कहा कि जब भी हम स्कूल में आते हैं तो हमें अपना बचपन याद आ जाता है। उन्होंने कहा कि आज सरकार द्वारा बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ अभियान के माध्यम से बेटियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने हास्यपूर्ण अंदाज में अपने छात्र जीवन की स्मृतियां साझा करते हुए कहा कि पहले के समय में संसाधनों की कमी थी, लेकिन आज बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। सांसद श्री बघेल ने विद्यालय की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत पुराना और गौरवशाली स्कूल है। विद्यालय परिसर के पीछे उपलब्ध भूमि पर अतिरिक्त भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने की बात भी उन्होंने कही, ताकि बच्चों को और अधिक सुविधाएं मिल सकें।

समाज में नर्स का योगदान विशिष्ट :डॉ. मिंज

दुर्ग में प्रथम वर्ष की छात्राओं का हुआ लैम्प लाइट कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जनरल नर्सिंग एवं मिडवाइफरी (जीएनएम) प्रशिक्षण केंद्र दुर्ग की प्रथम वर्ष की छात्राओं का लैम्प लाइटिंग समारोह दुर्ग के एक होटल में हुआ। प्राचार्य श्रीमती पुष्पा बांधे ने स्वागत भाषण में बताया कि नर्सिंग कैडर एक ऐसा कैडर जो मरीजों की सेवाएं प्रदान करने की महत्वपूर्ण कड़ी है इसलिए इनको सेवा प्रारंभ करने के पूर्व प्रशिक्षण सत्र से प्रतिज्ञा शपथ दिलाई जाती है कि सभी मानव के मरीज के प्रति एक समरूपता और निस्वार्थ भाव से सेवा कर उसको स्वास्थ्य लाभ प्रदान करना मूल कर्तव्य है।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज के अपरिहार्य कारणों से उपस्थित नहीं हो सके लेकिन उनका संदेश नर्सिंग की छात्राओं के समक्ष पढ़ा गया, जिसमें उन्होंने सभी नर्सिंग की छात्राओं को हमेशा मरीज के प्रति एक ईमानदारी लगन और परिवार के सदस्य के समान सेवा देकर उसके अंदर आत्मविश्वास पैदा करने का आह्वान किया।

अध्यक्षता कर रहे सिविल सर्जन डॉ आशीषन मिंज ने कहा कि परिचारिकाएं यानि नर्सो के बिना मरीजों की देखभाल उपचार ओर रखरखाव नामुमकिन है, इसलिए इस सेवाकार्य का समाज में विशिष्ट स्थान है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कमर्चारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा में किसी भी नर्स का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। संभागीय अध्यक्ष अजय नायक ने कहा कि भविष्य में आप जहां भी सेवा दें, अपने कुशल व्यवहार और बेहतरीन संवाद का परिचय दें।

सीडा अध्यक्ष डॉ. विनिता धुव्र ने कहा कि चिकित्सक और मरीज के बीच सेतु की भूमिका नर्सिंग कैडर की है। मेट्रन श्रीमती बोरकर ओर नर्सिंग प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मंजू राय ने नर्सिंग छात्राओं को उज्जवल भविष्य की बधाई दी वहीं नवीन प्रवेश पाने वाली छात्राओं को इस कैडर का महत्व और गुणवत्ता ओर नि स्वार्थ सेवा के मूल्यों को समझाया। आयोजन में सिस्टर टयूटर रंजना सोनवानी, अमृता राजपूत, मानकुंवर गंधर्व, गीता साव , फार्मासिस्ट रमन गंधर्व और विजेंद्र वर्मा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अधिकारियों व चिकित्सों ने दिए चिकन पॉक्स से बचाव करने के उपाय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी और आईडीएसपी के नोडल अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे द्वारा चिकन पॉक्स से बचाव के उपाय सुझाएं गए हैं। उन्होंने बताया कि चिकन पॉक्स (चेचक या छोटी माता) वेरिसेला जोस्टर वायरस के कारण होने वाला एक अत्यधिक संक्रामक संक्रमण है, जिसमें खुजलीदार लाल चकत्ते और तरल पदार्थ से भरे फफोले होते हैं। यह आम तौर पर बच्चों में होता है, लेकिन वयस्कों को भी प्रभावित कर सकता है।

मुख्य लक्षण

बुखार और थकान, दाने निकलने से 1-2 दिन पहले हल्का बुखार, सिरदर्द और कमजोरी महसूस होना। लाल दाने चेहरे, छाती और पीठ पर छोटे लाल दाने उभरना जो बाद में पूरे शरीर पर फैल जाते हैं। तरल से भरे फफोले दाने खुजलीदार फफोलों में बदल जाते हैं जिनमें पानी जैसा तरल भरा होता है। पपड़ी जमना 5-7 दिनों के बाद ये फफोले सूखकर पपड़ी बन जाते हैं।

बचाव और सावधानी

टीकाकरण यह सबसे प्रभावी बचाव है। बच्चों को 12-15 महीने और फिर 4-6 साल की उम्र में टीके की दो खुराकें दी जानी चाहिए। आइसोलेशन संक्रमित व्यक्ति को कम से कम एक सप्ताह था जब तक सभी फफोले सूख न जाएं तब तक अलग रखें। हाथों की सफाई साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोएं और संक्रमित व्यक्ति के तौलिए या कपडे.साझा न करें।

देखभाल के तरीके

खुजली से राहत कैलामाइन लोशन लगाएं या खुजली कम करने के लिए ओटमील बाथ (दलिया स्नान) का उपयोग करें। कपड़ों का चुनाव त्वचा की जलन को रोकने के लिए ढीले और सूती कपड़े पहनें। नाखून छोटे रखें फफोलों को नोचने से रोकने के लिए नाखून काटें, ताकि घाव में संक्रमण न हो। आहार पर्याप्त पानी पिएं और दलिया या मसले हुए फलों जैसा सुपाच्य भोजन लें।

क्या करें

आराम करें शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पर्याप्त नींद और आराम बहुत जरूरी है। तरल पदार्थ पिएं पानी, नारियल पानी और सूप का सेवन बढ़ाएं ताकि निजर्लीकरण न हो। खुजली कम करें लोशन दानों पर लगाएं। ठंडे पानी से स्नान करें। साफ-सफाई संक्रमित व्यक्ति के कपड़े और बिस्तर नियमित रूप से धोएं। नाखून छोटे रखें, बच्चों के नाखून छोटे रखें ताकि खुजली करने पर त्वचा न फटे। आइसोलेशन जब तक सारे फफोले सूखकर पपड़ी न बन जाएं तब तक स्कूल या काम पर न जाएं। डॉ. की सलाह बुखार के लिए केवल पैरासिटामोल लें।

क्या न करें

नाखून छोटे रखें ताकि खुजलाने पर घाव न हो। फफोलों को कभी भी फोड़ें या खरोंचें नहीं। मरीज के कपड़े और बिस्तर को गर्म पानी और डेटॉल/ नीम से धोएं। मरीज का तौलिया, कंघी या बर्तन साझा न करें। डॉक्टर की सलाह पर लोशन लगाएं। झाड़-फूंक या अंधविश्वास के चक्कर में इलाज में देरी न करें।

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई में सफल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हाई टेक नेस्ट प्रा. लि. द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में एक सफल कैंपस भर्ती ड्राइव आयोजित की गई। इस ड्राइव में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न संस्थानों के डिप्लोमा एवं डिग्री पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 445 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया के उपरांत 44 विद्यार्थियों का चयन किया गया। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के उद्योग-संस्थान सहयोग तथा विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता संवर्धन के सतत प्रयासों को दर्शाती है।

कुलपति डॉ. अरुण अरोरा ने चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निदेशक डॉ. पंकज मिश्रा ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे कैंपस ड्राइव विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. तोरण वर्मा ने कंपनी के अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के कैंपस ड्राइव आयोजित किए जाएंगे। कई प्रतिष्ठित कंपनियों से चर्चा जारी है, जिससे विद्यार्थियों को और अधिक रोजगार अवसर प्राप्त हो सकें। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के आधिकारिक प्रभारी ऋषभ शुक्ला एवं श्रीमती रुनझुन सराफ पांडेय ने भी इस ड्राइव के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके समन्वय एवं सक्रिय प्रयासों से संपूर्ण प्रक्रिया सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। विश्वविद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है।

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ए.एच.पी. किफायती आवास मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक से निर्मित आवासों का आबंटन किया जाना है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार निगम सभागार कक्ष में 6 मार्च 2026 को समय 12:30 बजे लाटरी आयोजित किया गया है। सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर कुल अंशदान राशि 10 प्रतिशत तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही से 75000 रूपये निगम कोष में जमा कराया जा रहा है। उक्त तिथि को नियमानुसार लाटरी पद्वति का आयोजन कर हितग्राहियों को आवास आबंटन का लाभ दिया जायेगा। लाटरी में वरिष्ठ नागरिकगण, दिव्यांगजन एवं अन्य आवेदकों को सम्मिलित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राही निर्धारित तिथि एवं दिन को समय पर उपस्थित होकर आवास आबंटन की लाटरी में भाग ले सकते है और आवास पा सकते है।

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से छठ घाट निर्माण के लिए पांच लाख रुपए स्वीकृति की मांग

राजनांदगांव। डॉ. रमन सिंह से छठ घाट के लिए पांच लाख स्वीकृति की

मांग राजनांदगांव के औद्योगिक क्षेत्र ग्राम टेडेसरा में भाजपा नेता अशोक चौधरी मंडल अध्यक्ष एवं सरपंच खिलेश्वर एवं ग्रामवासीयों के साथ बैठक कर छठ पूजा घाट निर्माण के लिए डॉक्टर रमन सिंह विधायक के द्वारा5लाख देने पर चर्चा की गई। सभी ग्राम वासियों एवं सरपंच ने कहा कि डॉ रमन सिंह जैसा विधायक मिलना सौभाग्य की बात है,वतर्मान में कोयंबतूर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं हम सब भगवान से प्राथर्ना करते हैं कि वह शीघ्र स्वस्थ होकर छत्तीसगढ़ आवें आशा है भगवान उन्हें शीघ्र स्वस्थ करेंगे।

900 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों उतरे मैदान पर

होली त्यौहार के मद्देनजर संवेदनशील क्षेत्रों में दुर्ग जिले में पुलिस ने किया व्यापक फ्लैग मार्च

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पूर्व में अपराध/अड्डेबाजी प्रभावित स्थलों की मैपिंग कर फ्लैग मार्च किया गया। कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम एवं तहसीलदार सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त सहभागिता रही। संवेदनशील एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल एवं वाहन मार्च कर आमजन में सुरक्षा का विश्वास स्थापित किया है। तत्काल कार्रवाई के लिए बाज विशेष क्विक रिस्पांस टीम गठित कर लगभग 900 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई,ड्रोन कैमरे के मदद से पूरे शहर में नजर रखा जा रहा ताकि कोई भी अपराधी अपराध न कर सके। इस बार महिला और बच्चों को ध्यान रख कर महिला पेट्रोलिंग टीम भी तैनात की गई है।

होली पर्व के दौरान शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिला दुर्ग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक फ्लैग मार्च आयोजित किया गया। पूर्व में अपराध घटित स्थलों, अड्डेबाजी प्रभावित स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों की मैपिंग कर प्राथमिकता के आधार पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई। फ्लैग मार्च में कलेक्टर, अपर कलेक्टर, अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम), तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। पुलिस विभाग की ओर से पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर-ग्रामीण), नगर पुलिस अधीक्षकगण, उप पुलिस अधीक्षकगण, थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी शामिल रहे।

प्रथम टीम द्वारा पुलिस नियंत्रण कक्ष सेक्टर-06 भिलाई से प्रारंभ कर रेल चौक, सेक्टर-09 तिराहा, 32 बंगला, वायशेप ब्रिज, मालवीय नगर चौक, पटेल चौक, सर्किट हाउस, अंडर ब्रिज, सूर्या माल चौक, अवंती बाई चौक, गदा चौक, सुपेला चौक, 18 नंबर रोड, कुरुद कोहका, कैंप-1 जामुल, खुर्सीपार, पुरानी भिलाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण किया गया। द्वितीय टीम द्वारा पुलिस नियंत्रण कक्ष से प्रारंभ कर पुलगांव चौक, भारती कॉलेज, महाराजा चौक, जेल तिराहा, महारानी दुर्गावती चौक, राजेंद्र पार्क चौक, ग्रीन चौक सहित थाना मोहन नगर एवं थाना दुर्ग क्षेत्र में पेट्रोलिंग की गई।

जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु लगभग 900 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कार्यालयीन स्टाफ को भी साथ ही ड्रोन कैमरे के मदद से पूरे शहर में नजर रखा जा रहा ताकि कोई भी अपराधी अपराध न कर के भाग न सके और कोई भी अपराध करने में उसको डर पैदा हो कि कोई उसको देख रहा है। इस बार महिला और बच्चों को ध्यान रख कर महिला पेट्रोलिंग टीम भी गठित किया गया है ताकि बचे और महिलाये भी सुरक्षित तरीके से होली खे ल सके।

आवश्यकतानुसार फील्ड ड्यूटी में तैनात किया गया है। त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए बाज विशेष क्विक रिस्पांस टीम का गठन कर रणनीतिक स्थलों पर तैनाती की गई है। उक्त संयुक्त कार्रवाई में जिला पुलिस बल, समस्त थाना प्रभारियों, पेट्रोलिंग टीमों एवं बाज विशेष क्विक रिस्पांस टीम द्वारा सतत निगरानी एवं समन्वित कार्य किया जा रहा है। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि होली पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस नियंत्रण कक्ष अथवा नजदीकी थाना में दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्यवाही की जाएगी।

उड़नदस्ता दल ने किया विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी (12वीं) बोर्ड परीक्षा 2026 के अंतर्गत गणित, कंप्यूटर एप्लीकेशन, भारतीय संगीत, चित्रकला, नृत्य कला, स्टेनो टाइपिंग, वाणिज्यिक गणित और औद्योगिक संगठन के मूल तत्व जैसे विभिन्न विषयों की परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा की शुचिता और पारदशिर्ता सुनिश्चित करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा द्वारा गठित विभिन्न उड़नदस्ता दलों ने जिले के अनेक परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस सघन निगरानी प्रक्रिया के दौरान मुख्य रूप से सेजस हाउसिंग बोर्ड सहित कई महत्वपूर्ण केंद्रों की जांच की गई।

निरीक्षण अभियान के तहत जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा के नेतृत्व में सर्वाधिक 9 केंद्रों की सूक्ष्म जांच की गई, जिनमें सेजस हाउसिंग बोर्ड, सेजस अहिवारा, गोढ़ी, कपसदा, नारधा, सेजस जामुल, कुरूद, कोहका और सेजस तितुरडीह के केंद्र शामिल रहे। इसी प्रकार, सहायक संचालक श्रीमती सीमा नायक द्वारा कुल 6 केंद्रों का अवलोकन किया गया, जिनमें निमर्ला रानी खुर्सीपार भिलाई, सरस्वती वि. सेक्टर-4, नेशनल स्कूल दुर्ग, ढौर, सेजस जामुल और सेजस हाउसिंग बोर्ड के परीक्षा केंद्र सम्मिलित थे। ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों में भी मुस्तैदी बरतते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार शुक्ला ने चंदखुरी और अण्डा स्थित 2 केंद्रों का जायजा लिया। पाटन क्षेत्र में विकासखंड शिक्षा अधिकारी डीके देवांगन द्वारा कुल 5 केंद्रों की समीक्षा की गई, जिनमें सोमनी, पुरेना, सेजस जामगाँव एम, तर्रा और सेजस देवादा के परीक्षा केंद्र शामिल थे। इसके अतिरिक्त, धमधा क्षेत्र में विकासखंड शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा द्वारा अहेरी, सेजस अहिवारा और सेजस नंदनी खुदनी स्थित 3 केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस व्यापक और अचानक जांच के बावजूद किसी भी केंद्र पर अनुचित साधनों के उपयोग का कोई मामला नहीं पाया गया। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संचालित हुई और नकल प्रकरण पूरी तरह से निरंक रहे।

सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स का भव्य आयोजन — लता मंगेशकर नाईट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सांगीतिक संस्था सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन भिलाई इस्पात संयंत्र के संयुक्त तत्वावधान में 115वें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार, 1 मार्च की सायं प्रगति भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में एक गरिमामय एवं भव्य सांगीतिक संध्या लता मंगेशकर नाईट का सफल आयोजन किया गया।

यह आयोजन स्वर कोकिला लता मंगेशकर को समर्पित एक संगीतमय श्रद्धांजलि था, जिसमें प्रदेश की प्रतिष्ठित गायिकाओं-शिप्रा मंडल, रुपाली सखारे, अलका शर्मा, माया बैनर्जी, रीतू मिश्रा, तृप्ति साहू, मंजीता भारद्वाज, शाहीन खान, दीपा बोकाडे, रश्मि घाटे एवं नमिता गांगुली-ने लता जी के सुपरहिट एवं सदाबहार गीतों की भावपूर्ण एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ दीं।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सुप्रसिद्ध उद्घोषिका ज्योति धारकर द्वारा किया गया। सभी सुरीली गायिकाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से शाहीन खान द्वारा मेल एवं फीमेल दोनों स्वर में प्रस्तुत गायन ने दशर्कों की विशेष सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेविका रजनी बघेल थीं। विशिष्ट अतिथियों में ब्रह्मकुमारी आशा बहन, बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेफी चेयरमैन नरेंद्र कुमार बंछोर तथा सुप्रसिद्ध डॉ. मीता डे की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात आयोजन समिति के महेश कुमार विनोदिया, शिप्रा मंडल, माया बैनर्जी एवं रश्मि घाटे द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सभी गायिकाओं को मुख्य अतिथि रजनी बघेल द्वारा पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज की प्रतिभाशाली महिलाओं-लेखन एवं पत्रकारिता से जुड़ी शुचि भवि, शबा खान, संगीता मिश्रा एवं शाहीन खान-का भी सम्मान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित लता मंगेशकर नाईट महिला सशक्तिकरण की भावना को समर्पित एक प्रेरणादायी एवं गरिमामय पहल रही। यह आयोजन समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं के समान अधिकार, न्याय एवं सशक्त भागीदारी के समर्थन का प्रतीक बना। लता जी के अमर गीतों की प्रस्तुति उनके प्रति सम्मान एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने का अनूठा माध्यम सिद्ध हुई।

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स समूह के डायरेक्टर महेश कुमार विनोदिया, शिप्रा मंडल, गिरीश चतुर्वेदी, शांताराम वानखेड़े, माया बैनर्जी एवं संपूर्ण टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर परविन्दर सिंह, दीपेंद्र हलधर, राजेश धारकर, जगजीत सिंह भाटिया, परन राज भाटिया, जयंत भोंसले, बीआर वर्मा, जानकी प्रसाद, प्रकाश बेहरा, शांताराम वानखेड़े, गिरीश चतुर्वेदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

जश्न का माहौल जमीन के मूल्य में कमी, व्यापारियों ने मंत्री गजेन्द्र यादव का जताया आभार

जमीनों के शासकीय मूल्यों में जनहितैषी संशोधन पर दुर्ग शहर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का किया गया अभिनंदन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आम नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जमीनों के शासकीय मूल्यों में जनहितैषी संशोधन का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिस पर जमीन कारोबारियों द्वारा मंत्री गजेन्द्र यादव के नेतृत्व में दुर्ग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अभिनंदन कर आभार जताये और बताया की सरकार के इस निर्णय से प्रदेशभर में आम जनता, किसान, मध्यमवर्गीय परिवारों तथा व्यवसायिक वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।

सरकार द्वारा किये गये संशोधन में दुर्ग में जमीन की दर 25 से 40 प्रतिशत कम किया गया है इस सराहनीय पहल के लिए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव का भी आभार जताये जिनके सतत प्रयासों और जनभावनाओं के अनुरूप सकारात्मक पहल से यह निर्णय संभव हो सका। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की दुर्ग जिले में जमीन का सर्वाधिक सकारात्मक संशोधन करते हुए शासन ने विकास की नई दिशा प्रदान की है। शासकीय मूल्यों में व्यावहारिक एवं संतुलित सुधार से अब भूमि क्रय-विक्रय की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुलभ एवं जनअनुकूल होगी। इससे न केवल आम नागरिकों को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि रियल एस्टेट क्षेत्र, निर्माण कार्यों तथा स्थानीय व्यापार को भी गति प्राप्त होगी। यह निर्णय प्रदेश में निवेश के वातावरण को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित विकास को बढ़ावा देगा। विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आवास निर्माण का सपना साकार करने में यह संशोधन सहायक सिद्ध होगा।

दुर्ग जिले के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, कार्यकर्त्ताओ एवं जमीन व्यापारीयों ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के राजनांदगांव प्रयास के दौरान दुर्ग में बाईपास टोलप्लाजा के पास उनका स्वागत अभिनंदन किये और आभार जताये साथ ही छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि प्रदेश सरकार आगे भी जनहित में ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लेती रहेगी।

दुर्ग में सर्वाधिक 25 से 40 प्रतिशत तक कमी

जमीन व्यापारीयों ने बताया की शासन द्वारा किए गए संशोधन के अंतर्गत दुर्ग जिले में जमीन के शासकीय मूल्यों में 25 से 40 प्रतिशत तक की कमी की गई है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सतत प्रयासों, निरंतर संवाद एवं जनभावनाओं को शासन तक प्रभावी रूप से पहुँचाने के परिणामस्वरूप यह सकारात्मक निर्णय संभव हो सका है। शासन के इस निर्णय से आम नागरिकों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ रियल एस्टेट क्षेत्र और निर्माण कार्यों को नई गति मिलेगी। स्थानीय व्यापार, रोजगार और निवेश के अवसरों में वृद्धि होगी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित और योजनाबद्ध विकास को बढ़ावा मिलेगा।

नगर निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी बिदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई से सेवानिवृत्त होने वाले 3 कमर्चारियों को स-सम्मान बिदाई दी गई। मुख्य कार्यालय सभागार में निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किये।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे एवं उपायुक्त डीके कोसरिया उपस्थिति में समयपाल/कार्य सहायक ग्रेड-2 सुरेन्द्र कुमार सोनबोईर, वार्ड प्यून बल्लूराम साहू एवं सफाई कामगार प्रेमिन बाई को निगम प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

अपर आयुक्त एवं उपायुक्त, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के किये गये कायी को याद करते हुए शुभकानाएं दिये और शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त पश्चात परिवारिक दायित्व के निर्वहन में अपना समय देने हेतु आग्रह किये। आयुक्त द्वारा कहा गया कि हमे वरिष्ठों से अनुभव एवं समन्वय बनाते हुए कार्य करना होगा। जिससे कठिन से कठिन कायी का निर्वहन भी सरलता से किया जा सके। बिदाई कार्यक्रम में शशिभूषण मोहंती, नवीन कुमार साहू, शालिनी गुरव, देवेन्द्र वर्मा, पुरूषोत्तम साहू, रोहित बंजारे, हेमचंद बंजारे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।